रायपुर। सोमवार, 02 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 91/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल 'मैं बहुत खुश हूं, मेरे पास शब्द नहीं हैं'...
@ विचार गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला...
@ व्यापार दिवाली से पहले बाजार में लौटी रौनक...

राज्योत्सव के रंग में रंगा छत्तीसगढ़

पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम विष्णु देव साय को लिखा आत्मीय पत्र, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य का 26 वां स्थापना दिवस का भव्य शुभारंभ नवा रायपुर से सेंध लेक में हुआ । सीएम साय ने पीएम नरेंद्र मोदी के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आत्मीय पत्र पढ़ा इसमें मोदी ने प्रदेश के सभी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में छत्तीसगढ़ से अपने दशकों पुराने आत्मीय संबंधों, प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता तथा विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में हो रहे व्यापक बदलावों का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि छत्तीसगढ़ आने वाले समय में विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अटल जी के दूरदर्शी नेतृत्व में साकार हुई छत्तीसगढ़ की आकांक्षाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेय का स्मरण करते हुए कहा कि 26 वर्ष पूर्व उनके दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ था। इस ऐतिहासिक निर्णय ने लाखों नागरिकों की दशकों पुरानी आकांक्षाओं को साकार किया और प्रदेश के विकास की नई यात्रा का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन के दिनों से ही छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव रहा है। अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से उन्हें अनेक बार यहां आने का अवसर मिला। सरगुजा के वनांचलों से लेकर बस्तर की पावन धरती तक की यात्राओं में उन्होंने छत्तीसगढ़िया संस्कृति और जनजीवन को निकट से जाना और समझा है।

उन्होंने उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ की सरलता, सहजता, परिश्रमशीलता और जीवंत सांस्कृतिक परंपराएं उन्हें सदैव प्रेरणा देती रही हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के अवसर पर अपने प्रदेश प्रवास और नए विधानसभा भवन के लोकार्पण का भी स्मरण किया।



नक्सलवाद के रेड कॉरिडोर अब बन रहे शांति और विकास के नए केंद्र

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता को प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण परिवर्तन बताया। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक जो क्षेत्र नक्सलवाद के रेड कॉरिडोर के रूप में पहचाने जाते थे, वे आज शांति, विश्वास और विकास के नए केंद्र बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद प्रदेश के विकास की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक रहा, लेकिन आज इसे निर्णायक रूप से समाप्त करने में सफलता मिली है। इससे प्रदेश में विकास का नया वातावरण बना है तथा कनेक्टिविटी और आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार को नई गति मिली है।

भारतीय वायु सेना के शानदार हवाई प्रदर्शन ने भरा रोमांच

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर भारतीय वायु सेना ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध झील के ऊपर शानदार हवाई प्रदर्शन प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आकाश गंगा स्काईडाइविंग टीम, एमआई-17 हेलीकॉप्टर और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम की प्रस्तुतियों ने वायु योद्धाओं के साहस, सटीकता और उत्कृष्ट व्यावसायिक दक्षता का परिचय दिया। आकाश गंगा टीम ने अपने रोमांचक स्काईडाइविंग प्रदर्शन में असाधारण कौशल का परिचय दिया। इस प्रस्तुति ने सटीक पैराशूटिंग के लिए आवश्यक साहस, आपसी समन्वय और अनुशासन को दर्शाया।

एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने सैनिकों की त्वरित तैनाती और सटीक उड़ान संचालन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तेज गति से प्रदर्शन क्षेत्र में प्रवेश और लैंडिंग क्षेत्र का आकलन करने के बाद हेलीकॉप्टर ने उतरकर गरुड़ कमांडो को तैनात किया। एक काल्पनिक परिचालन परिस्थिति में इन कमांडो ने जमीन पर पहले से मौजूद दल को सुदृढ़ किया। इसके बाद हेलीकॉप्टर ने पुनः उड़ान भरकर नियंत्रित पार्श्व गति, एक ही स्थान पर घूमकर दिशा परिवर्तन और अन्य गतिशील हवाई युद्धाभ्यास प्रदर्शित किए। इस क्रम ने हेलीकॉप्टर की चपलता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और चालक दल के उत्कृष्ट समन्वय को दर्शाया। प्रदर्शन ने वायु एवं जमीनी दलों के तालमेल के साथ सैनिक परिवहन, परिचालन सहायता, घायलों की निकासी, खोज एवं बचाव तथा मानवीय सहायता में एमआई-17 की बहुमुखी भूमिका को भी रेखांकित किया।

स्वदेश विकसित एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' पर उड़ान भरने वाली सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने समन्वित उड़ान संरचनाओं और सटीक हवाई करतबों से दर्शकों को रोमांचित किया।

राज्योत्सव 2026: 36 विभूतियों को मिलेगा प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने की घोषणा



संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव 2026 में प्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता, खेल, समाजसेवा, शिक्षा, कृषि, लोककला और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज राजधानी रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्य अलंकरण पुरस्कारों की घोषणा की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं और संस्थाओं के लिए 36 श्रेणियों में राज्य अलंकरण सम्मान घोषित किए गए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य अलंकरण सम्मान छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं, उनकी विशिष्ट उपलब्धियों तथा समाज और राज्य के विकास में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति, साहित्य, लोकपरंपराओं और सामाजिक मूल्यों को सहेजने तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह सम्मान महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककलाओं, साहित्यिक परंपराओं और प्रतिभाशाली नागरिकों से है। राज्य अलंकरण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के योगदान को सम्मानित किया जाता है। ऐसे सम्मान नई पीढ़ी को अपनी प्रतिभा निखारने और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा देते हैं। आदिवासी उत्थान, सामाजिक चेतना और जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान

राज्य अलंकरण की घोषित सूची के अनुसार आदिवासी सामाजिक चेतना तथा उनके उत्थान के क्षेत्र में शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति सम्मान से धमतरी जिले के डुमन लाल ध्रुव को सम्मानित किया जाएगा।

राहुल गांधी की चेतावनी, 'वोट चोरी' के मामले में जेल जाएंगे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार



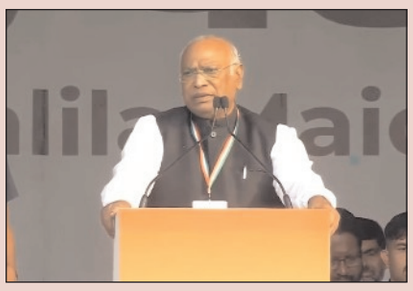
एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार को इसके लिए मुकदमे का सामना करना पड़ेगा और उन्हें जेल जाना होगा।

इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित 'दिल्ली चलो' रैली में राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह सामान्य चोरी नहीं, बल्कि कानूनी भाषा में 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' (दुर्लभतम) श्रेणी का मामला है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर ईवीएम के इस्तेमाल और मतदाता सूची से 13.5 करोड़ नाम हटाने के जरिए वोट चोरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह देशद्रोह और हर नागरिक की आवाज की चोरी के समान है।'

उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी संविधान और लोकतंत्र पर कथित हमले के लिए परिणाम भुगतने होंगे। राहुल गांधी ने कहा, जब गृह मंत्री अमित शाह घोषणा करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं, तो हम उन्हें बताना चाहते हैं कि जब तक वे अपने किए की सजा का सामना नहीं करेंगे, हम उन्हें कहीं जाने नहीं देंगे।

खड़गे का हमला, भाजपा के जाने से ही बचेगा लोकतंत्र



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रैली को संबोधित करते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार युवाओं, महिलाओं और दलितों के वोट छीनने की कोशिश कर रही है। खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए मोदी सरकार को हटाना जरूरी है और विपक्ष इस लड़ाई को एकजुट होकर लड़ेगा।

खड़गे ने कहा, 'चलो दिल्ली रामलीला मार्च, एक ऐतिहासिक मीटिंग यहां हो रही है। इन्होंने युवाओं, महिलाओं और दलितों का वोट छीनने की कोशिश की है। हम इसके खिलाफ यहां इकट्ठे हुए हैं। जब तक ज्ञानेश कुमार नहीं जाएंगे, तब तक हम नहीं जाएंगे और लड़ते रहेंगे। ज्ञानेश कुमार को छिपाने की कोशिश की जा रही है, मगर वह नहीं छिपेंगे। हम कभी नहीं डरेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोगों के वोट बांटने और मतदाता सूची से नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं।



ममता बनर्जी बोलीं-जो काफिर हैं, वे हर रोज डरते हैं



रैली को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और विपक्षी एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर लोकतंत्र की रक्षा करनी होगी। ममता ने कहा, 'वे हमें कहते हैं कि घर से मत निकलो, उन्होंने हमें हाउस अरेस्ट किया। मैं कहती हूं कि जो लड़ते हैं, वह जिंदगी कमाते हैं। जो डरते हैं, वो मरते हैं। जो काफिर हैं, वे हर रोज डरते हैं। आने वाले समय का स्लोगन है, सेव इंडिया, सेव डेमोक्रेसी। सभी को मिलकर भाजपा के खिलाफ लड़ना चाहिए।

ममता ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल एसआईआर का पीड़ित राज्य रहा है। उन्होंने कहा, 'हम छोड़ेंगे नहीं। हम जान दे देंगे, हम लड़ेंगे।

ईरान समझौता करना चाहता है, बातचीत सही दिशा में; सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुलाः ट्रंप



एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ ईरान समझौता करना चाहता है और दोनों देशों के बीच बातचीत अच्छी चल रही है। हालांकि, उन्होंने ईरान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह समझौता करने के बाद पीछे हट जाता है।

फ्लोरिडा में हैलोवीन पार्टी के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन यह देखना होगा कि क्या वह वास्तव में किसी समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''वे समझौता करना चाहते हैं। हम देखेंगे कि वे ऐसा कर पाते हैं या नहीं।''

ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत भरोसेमंद नहीं है। वह पहले समझौता करता है और फिर उससे पीछे हट जाता है। इसके बावजूद अमेरिका बातचीत को लेकर जल्दबाजी में नहीं है।

उन्होंने कतर की मध्यस्थता में चल रही बातचीत की समयसीमा को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि अमेरिका को कोई खास जल्दबाजी नहीं है।

इंडिया ब्लॉक की रैली के जवाब में भाजपा का देशव्यापी प्रदर्शन

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडिया ब्लॉक की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कथित चुनावी अनियमितताओं को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली के जवाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को देश के कई राज्यों में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाले। पार्टी ने इन प्रदर्शनों के जरिए विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाने और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।



हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विरोध मार्च का नेतृत्व किया। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। मार्च का समापन जिले के चौड़ा मैदान में आयोजित रैली के साथ होना था।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में सरमा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, 'क्या हिमाचल प्रदेश का चुनाव रद्द होना चाहिए या नहीं? क्या केरल का चुनाव रद्द होना चाहिए या नहीं? क्या रायबरेली से उनका अपना चुनाव रद्द होना चाहिए या नहीं? पहले कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारें इस्तीफा दें, उसके बाद वे हमसे इस्तीफे की मांग करने आएं।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में चुनाव का बहिष्कार करना चाहिए और कहना चाहिए कि वहां भी वोट चोरी हुई है। विपक्ष जिन राज्यों में चुनाव जीतता है, वहां उसे चुनाव प्रक्रिया सही लगती है, लेकिन जहां भाजपा जीतती है, वहां उसे अनियमितताएं नजर आने लगती हैं।

सरमा ने आईएएनएस से बातचीत में राहुल गांधी के सांसद पद से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि राहुल गांधी भी 2024 में ईवीएम के जरिए ही चुनाव जीतकर आए हैं। ऐसे में उन्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, आज देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैलियां आयोजित की जा रही हैं और लाखों लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। जनता राहुल गांधी से कह रही है कि वे घुसपैठियों को बचाने का काम न करें और घुसपैठियों को देश छोड़ना होगा।

दिल्ली रामलीला मैदान रैली: छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं ने जताया आक्रोश

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में वोट चोरी और लोकतंत्र पर हो रहे कथित हमलों के खिलाफ आयोजित राष्ट्रव्यापी आंदोलन में छत्तीसगढ़ के कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शामिल हुए। इस महारैली में छत्तीसगढ़ के नेताओं ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया।

रैली की ऐतिहासिक सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार को चेतावनी दी कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह जन-आक्रोश अब रुकने वाला नहीं है, बल्कि देश के कोने-कोने तक फैलेगा।

छत्तीसगढ़ के दिग्गजों का आभार



इस महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी आंदोलन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव और पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू सहित प्रदेश के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने दिल्ली पहुंचे सभी कांग्रेसजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी लोकतंत्र को एक सोची-मझी साजिश के तहत बंधक बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

वोट चोरी और तानाशाही रवैये पर कड़ा प्रहार

दीपक बैज ने कहा कि रामलीला मैदान से उठा यह शंखनाद इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि देश की जनता भाजपा सरकार के तानाशाही रवैये और वोट चोरी के षड्यंत्र को अब और सहन नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार ने यहां के अन्नदाता किसानों, महिलाओं और युवाओं के साथ बड़ा विश्वासघात किया है, और अब राज्य की जनता इस ज्यादती का हिसाब सीधे सड़कों पर उतरकर लेगी।

मतदाताओं के अधिकारों से वंचित करने का गंभीर आरोप

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकारें जनता के जनादेश और वोट की ताकत से भयभीत रहती हैं, इसलिए वे चोर दरवाजे से लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में भी लगभग 25 लाख मतदाताओं को दुर्भावनापूर्ण तरीके से मतदान के अधिकार से वंचित किया गया है, जो सीधे तौर पर एक बड़ा संवैधानिक अपराध है और जनता इसे माफ नहीं करेगी।

प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि छत्तीसगढ़ की भोली-भाली जनता, मेहनतकश किसानों और आदिवासियों के साथ लगातार वादाखिलाफी की जा रही है। वर्तमान सरकार पूरी तरह से दिल्ली के इशारों पर काम कर रही है, जहां छत्तीसगढ़िया हितों को पूरी तरह से दरकिनार कर लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी राज्य के अधिकारों और हितों पर हो रहे इस कुठाराघात को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने कृषि-खाद्य सुरक्षा पर जताई चिंता

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ के शिवरीनारायण में सद्गुरु ऋतेश्वर ने विशेष बैलगाड़ी यात्रा निकालकर देश की कृषि व्यवस्था, भविष्य की खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। बैलगाडी यात्रा शिवरीनारायण से ग्राम दुरपा पहुंची जहाँ उन्होंने ग्रामीणों और कृषकों के एक बड़े समूह को सम्बोधित किया।



उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में बीज, डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति बंद हो गई, तो देश में अन्न उत्पादन का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। ट्रैक्टर और कृषि मशीनें खड़ी रह जाएँगी और किसानों के सामने खेत जोतने तथा अन्न पैदा करने की बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि सभ्यता विकसित होती है और अपने चरम पर पहुंच कर पुन: वहीं लौट आती है जहाँ से वह आरम्भ हुई थी। आज संपूर्ण विश्व में यही स्थिति बनती दिखाई दे रही है।विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे संघर्षो ने आपूर्ति श्रृंखला पर गहरा प्रभाव डाला है। आज अगर तेल की आपूर्ति बंद हो जाए तो आधुनिक कृषि उपकरण अनुपयोगी हो जाएंगे और हमें हल और बैल की ओर लौटना पड़ेगा लेकिन यह सवाल भी हमारे सामने खड़ा है कि बैल कहाँ हैं? हमारे मनिषियों ने वेदों की ओर लौटने का आह्वान इसीलिए किया था कि भारतीय प्राच्य ज्ञान पर आधारित जीवनशैली ही श्रेष्ठ है और एक दिन सकल संसार को इस जीवनशैली का अनुकरण करना पड़ेगा।

रितेश्वर जी ने जैविक खेती को मानव स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि यदि वर्तमान परिस्थिति इसी प्रकार बनी रही तो भविष्य में महामारी की आशंका है।

पामगढ़ में निकली राष्ट्रीय एकता मार्च



विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर बोहरिक चौक पामगढ़ में राष्ट्रीय एकता मार्च निकाली गई। मार्च में जनप्रतिनिधियों, थाना पामगढ़ ,अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मार्च के दौरान लोगों ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रतिभागियों ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। हाथों में तिरंगा और राष्ट्रीय एकता से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां लेकर लोगों ने नगर का भ्रमण किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखी। उनके विचार आज भी देशवासियों को एकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। मार्च के माध्यम से लोगों को आपसी भाईचारा बनाए रखने और देश की एकता-अखंडता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

राजश्री मिश्रा को दूसरी बार केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (ISIS) की विचारधारा से प्रभावित संदिग्ध ऑनलाइन कट्टरपंथी मॉड्यूल का खुलासा करने वाली छत्तीसगढ़ कैडर की आईपीएस अधिकारी राजश्री मिश्रा को खुफिया क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक (केजीडीपी)-2026 से सम्मानित करने के लिए चुना गया है। करीब छह महीने तक चली गोपनीय जाँच में दो नाबालिगों की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियाँ सामने आई थीं।

वर्ष 2018 बैच की आईपीएस अधिकारी राजश्री मिश्रा वर्तमान में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की पुलिस अधीक्षक हैं। यह उनका दूसरा केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक है। इससे पहले उन्हें प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह सम्मान मिल चुका है। इस बार



उनकी भूमिका आतंकवादी विचारधारा से प्रभावित संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों की जाँच और खुफिया सूचनाओं के विश्लेषण में महत्वपूर्ण रही।

मिश्रा की निगरानी में एटीएस ने लगभग छह महीने तक तकनीकी निगरानी और मानवीय स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जाँच आगे बढ़ाई। डिजिटल गतिविधियों की कड़ियाँ जोड़ते हुए टीम ने दो नाबालिगों की पहचान की, जिनके आईएसआईएस से प्रेरित प्रचार सामग्री के प्रसार से कथित जुड़ाव के संकेत मिले थे।

अधिकारियों के अनुसार, मामला संवेदनशील होने के कारण खुफिया सूचनाओं की गहन पड़ताल और डिजिटल साक्ष्यों का संकलन किया गया। इसके बाद एटीएस ने गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की। नाबालिगों से संबंधित कानूनी प्रक्रिया किशोर न्याय व्यवस्था के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अपनाई गई।

निर्धारित समयसीमा के भीतर माना स्थित किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष आरोपपत्र प्रस्तुत किया गया। जाँच मुख्यत: ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रभाव और चरमपंथी सामग्री के कथित प्रसार पर केंद्रित रही।

दोनों नाबालिगों द्वारा किसी आतंकवादी हमले को अंजाम देने का दावा नहीं किया गया है। राजश्री मिश्रा को मिला यह सम्मान डिजिटल माध्यमों से फैलने वाली कट्टरपंथी विचारधारा की समय रहते पहचान और खुफिया सूचनाओं के आधार पर प्रभावी हस्तक्षेप के महत्व को रेखांकित करता है।

साथ ही, ऐसे संवेदनशील मामलों में संदिग्ध ऑनलाइन व्यवहार और साक्ष्यों से स्थापित आपराधिक संलिप्तता के बीच अंतर सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी सामने आती है।

अधिकारियों के मुताबिक, पूरी जाँच लागू कानूनी प्रावधानों और निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत पूरी की गई। राजश्री मिश्रा को इससे पहले प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय सम्मान तथा जनवरी 2026 में सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी मिल चुका है।

शिवरीनारायण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयदशमी उत्सव, पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिवरीनारायण मंडल द्वारा 1 नवंबर को विजयदशमी उत्सव के अवसर पर पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संघ की परंपरा, अनुशासन और राष्ट्रभावना का संदेश दिया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, खंड पामगढ़, जिला जांजगीर-चांपा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विजयदशमी उत्सव की परंपरा को आगे बढ़ाया गया। शस्त्र पूजन के साथ संघ के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और संगठन के प्रति समर्पण का संकल्प लिया।

विजयदशमी उत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख वार्षिक कार्यक्रमों में शामिल है। संघ की स्थापना के बाद से ही इस अवसर पर शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन की परंपरा निभाई जाती रही है। पथ संचलन के माध्यम से स्वयंसेवकों में अनुशासन, एकता और सामूहिकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया जाता है।

शिवरीनारायण मंडल में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर संघ के स्वयंसेवकों में उत्साह का माहौल रहा। आयोजन के माध्यम से समाज में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश प्रसारित किया गया।

सरदार पटेल की जयंती पर शिवरीनारायण में निकाला गया राष्ट्रीय एकता मार्च



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। देश की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार को शिवरीनारायण में राष्ट्रीय एकता मार्च का आयोजन किया गया। शिवरीनारायण थाना एवं नगर पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में सुबह 7 बजे नगर के मुख्य मार्ग पर एकता परेड निकाली गई। इसमें पुलिस टीम, नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एकता मार्च के माध्यम से देश की एकता, अखंडता, आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। मार्च में शामिल लोगों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एकता परेड का भी देशभर में सीधा प्रसारण किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय परेड में विभिन्न जिलों के पुलिस बलों के साथ अर्धसैनिक बलों के जवान भी हिस्सा लेंगे।

इसी क्रम में जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा जिले के सभी थानों एवं चौकियों में बड़े बैनर के माध्यम से परेड के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई है।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर गोरता गांव में निकली जागरूकता रैली

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत शराबबंदी को लेकर ग्राम पंचायत गोरता में नशा मुक्ति अभियान को लेकर ग्रामीणों ने जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से ग्रामीणों ने गांव के लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने की अपील की। इस दौरान गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू करने को लेकर भी ग्रामीणों में एकजुटता देखने को मिली।

जागरूकता रैली के दौरान ग्रामीणों ने लोगों को बताया कि शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि इससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। नशे की लत के



कारण कई परिवारों में घरेलू विवाद, अशांति और सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ग्रामीणों ने लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और बेहतर समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की।

वहीं, गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू करने को लेकर ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण पहल करने का निर्णय लिया है। ग्राम सरपंच राम कुमार सिंह कोर्राम ने बताया कि आने वाले दिनों में आयोजित होने वाली ग्रामसभा में गांव में पूर्ण शराबबंदी का प्रस्ताव पारित करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही गांव में शराब बनाने, पिलाने तथा बाहर से शराब पीकर गांव में आकर लड़ाई-झगड़ा और अशांति फैलाने वालों के खिलाफ अर्थदंड लगाने संबंधी प्रस्ताव भी ग्रामसभा में रखा जाएगा।

महानदी मीडिया क्लब में राज्य स्थापना दिवस पर हुए विशेष आयोजन



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी मीडिया क्लब की बैठक संपन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर धूप, दीप, श्रीफल एवं पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे लगाकर राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम के दौरान महानदी मीडिया क्लब के आगामी कार्यों एवं संगठन की गतिविधियों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सदस्यों ने पत्रकारिता के क्षेत्र में आपसी समन्वय, संगठन की मजबूती तथा जनहित से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर महानदी मीडिया क्लब के संरक्षक संतोष अग्रवाल, अध्यक्ष उग्रेश्वर गोपाल केवट, उपाध्यक्ष भूपेंद्र यादव एवं गौरव राय सागर, सचिव नीरज शर्मा, सलाहकार श्याम कर्ष, सहायक कोषाध्यक्ष सुदर्शन मानिकपुरी, सहसचिव संतराम साहू, सदस्य विनोद साहू एवं हितेश मरावी सहित क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

आप ने बीरगांव में धूमधाम से मनाया राज्य स्थापना दिवस

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आज आम आदमी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बिरगांव में विभिन्न गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने बिरगांव स्थित 'छत्तीसगढ़ महतारी' की प्रतिमा पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ माल्यार्पण किया।

इसके पश्चात, आप नेताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने समस्त प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने राज्य की समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की।

नगर निगम चुनाव की तैयारियों में जुटी 'आप'



राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी ने बिरगांव क्षेत्र में आगामी नगर निगम चुनावों को लेकर अपनी रणनीतिक तैयारियों का प्रदर्शन किया। पार्टी बिरगांव में आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियां पूरे ज़ोर-शोर से कर रही है।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय ने घोषणा करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी बिरगांव नगर निगम चुनाव में सभी 40 वार्डों की पार्षद सीटों और महापौर पद पर अपने सशक्त एवं जनहितैषी उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। पार्टी का मुख्य उद्देश्य बिरगांव में बुनियादी सुविधाएं, पारदर्शी शासन और आम जनता से जुड़े मुद्दों पर काम करना है।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी के सूरज उपाध्याय,आर एस ठाकुर,शिव शर्मा,बलवंत सिंह, डॉ विजय देवांगन, मनीष मेश्राम, संत राम कुर्रे,प्रकाश जांगड़े,शंकर जांगड़े,हरीश घृतलहरे, पवन साहू सहित पदाधिकारी, स्थानीय नेता और बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ भवन में स्थापना दिवस मनाया गया

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ भवन शासकीय कर्मचारी विभागीय समिति नई दिल्ली के द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष मनीष ठाकुर के विशेष आथित्य में सम्पन्न हुआ। सर्व प्रथम छत्तीसगढ़ महतारी के तैल्य चित्र में दीप प्रज्वलित कर पुजा अर्चना कर राजकीय गीत गाकर शुभारंभ हुआ और संगठन हित में प्रांताध्यक्ष मनीष ठाकुर के द्वारा अपने विचार रखते हुए संगठन में एकता बनाए रखने की अपील किया है साथ ही समय सिंह कोषाध्यक्ष एवं राधेश्याम वरिष्ठ सदस्य आल इंडिया गवर्मेंट ड्राइवर कंफेडरेशन ने अपने अनुभव साझा किया।

तत्पश्चात समिति का निर्वाचन में सभा में उपस्थित समस्त सदस्यों ने पुन: सर्वसम्मति से कन्हैया कुमार को अध्यक्ष नंदन सिंह गोसाई को सचिव एवं नंद कुमार गोंड़ को कोषाध्यक्ष चुना गया।

शिल्पग्राम में बिखरी झारा आर्ट कलाकृतियों की छटा

विश्व केसरी■

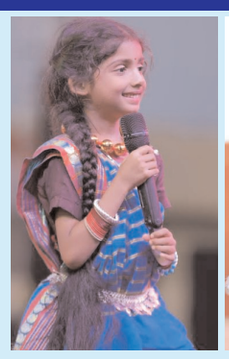
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा राज्योत्सव मैदान नवा रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए गए हैं। इसी क्रम में शिल्पग्राम जोन में प्रदेश की पारंपरिक हस्तशिल्प कलाओं और हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। शिल्प ग्राम में झारा आर्ट की कलाकृतियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। लॉस्ट वैक्स तकनीक से तैयार बेहतरीन पारंपरिक शिल्प की मूर्तियां, सजावटी वस्तुएं और लोक आकृतियां लोगों को खूब पसंद आ रही हैं।

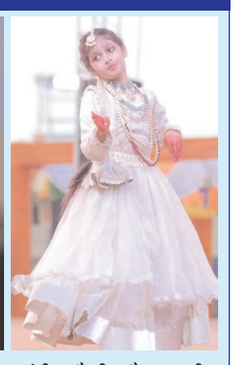


शिल्पग्राम में सारंगढ़ जिले के ग्राम कांदुरपाली से आए युवा शिल्पकार प्रदीप झरेका सारबिला झारा आर्ट की कलाकृतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी छिंद पेड़ की कलाकृति दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस कलाकृति के माध्यम से उन्होंने जनजातीय जीवन और संस्कृति में छिंद पेड़ के महत्व को उकेरने का बेहतरीन प्रयास किया है। इसमें छिंद पेड़ से रस एकत्रित करने की पारंपरिक प्रक्रिया को भी बारीकी से दर्शाया गया है। झरेका ने बताया कि राज्योत्सव जैसे आयोजनों से स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने और नए लोगों तक पहुंचने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि झारा आर्ट के प्रति लोगों में काफी उत्साह है। आगंतुक न केवल कलाकृतियों की खरीदारी कर रहे हैं, बल्कि उनकी निर्माण प्रक्रिया और सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं। देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और पारंपरिक लोक आकृतियों को भी लोग पसंद कर रहे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की पारंपरिक कला एवं शिल्प को प्रोत्साहित करने और शिल्पकारों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में शिल्पग्राम एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभर रहा है, जहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों की लोककला, परंपरा और शिल्प कौशल को एक साथ देखने का अवसर मिल रहा है।

शिल्पग्राम में बस्तर अंचल की युवा महिला शिल्पकार भी अपनी विशिष्ट कलाकृतियों के साथ मौजूद हैं। उनकी कृतियों में बस्तर की परंपरा, प्रकृति और जनजातीय जीवन की झलक दिखाई देती है। प्राकृतिक प्रतीकों और वन्य जीवों की आकृतियों के माध्यम से उन्होंने जनजातीय

राज्योत्सव में लोककला के रंग, सुरों की गूंज और थिरकते कदमों ने बांधा समां





छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मेला मैदान का शिल्पग्राम मंच रविवार को लोककला, संगीत और नृत्य के अद्भुत संगम का साक्षी बना। कहीं लोकगीतों की सुरीली तान गूंजी, तो कहीं पंडवानी की ओजस्वी कथा ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। गिटार की मधुर धुनों, फ्यूजन बैंड की आधुनिक संगीत शैली और शास्त्रीय नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने राज्योत्सव के उल्लास को दोगुना कर दिया। विभिन्न विधाओं के कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं की खूबसूरत छटा बिखेरी।

राज्योत्सव के अंतर्गत शिल्पग्राम मंच पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से उत्सव में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक लोककला और आधुनिक संगीत का यह अनूठा संगम राज्योत्सव के विशेष आकर्षणों में शामिल रहा।

पंडवानी की ओजस्वी प्रस्तुति में जीवंत हुई छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोकपरंपरा

छत्तीसगढ़ की विश्वविख्यात लोकगाथा पंडवानी की प्रस्तुति राज्योत्सव के प्रमुख आकर्षणों में रही। दुर्ग के चेतन देवांगन और रायपुर की दुर्गा साहू ने पंडवानी की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से महाभारत की कथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध वाचिक परंपरा को मंच पर साकार किया। कथा, संगीत और अभिनय के अनूठे समन्वय ने लोककला की इस विशिष्ट विधा की खूबसूरती को सामने रखा।

गढ़ कलेवा के स्टॉल में स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद ले रहे नागरिक



छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और खान-पान की झलक देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में रायपुर के घड़ी चौक स्थित गढ़ कलेवा से पहुँचे मनीषा महिला स्व-सहायता समूह अपने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल के माध्यम से लोगों को प्रदेश के पारंपरिक स्वाद से रूबरू करा रहे हैं।

समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजन जैसे चिला, फरा, चौसेला, साबूदाना बड़ा, भजिया, ठेठरी, खुरमी सहित कई तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन एवं पकवान तैयार कर लोगों को परोसे जा रहे हैं। इन व्यंजनों के जरिए समूह की महिलाएं छत्तीसगढ़ की खान-पान की परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ ही अपनी मेहनत और हुनर का प्रदर्शन कर रही हैं।

मनीषा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं पारंपरिक व्यंजन तैयार कर अपनी आजीविका चला रही हैं और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। उनके इस प्रयास से परिवार के भरण-पोषण में आर्थिक सहयोग मिल रहा है। साथ ही, महिलाएं अपने हुनर और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।

पं. चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव आज से

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 नवम्बर 2026 को बलौदाबाजार स्थित पण्डित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में होगा। समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे।

राज्योत्सव समारोह की अध्यक्षता राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा करेंगे एवं जिले के प्रभारी एवं स्वस्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अति विशिष्ट अतिथि होंगे।समारोह में जांजगीर- चाम्पा सांसद कमलेश जांगड़े, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, विधायक भाटापारा इंद्र साव, विधायक कसडोल संदीप साहु, विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े, पूर्व विधायक लक्ष्मी बघेल,पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा,जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन,जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव एवं जिला अध्यक्ष आनंद यादव विशिष्ट अतिथि होंगे।

विभागीय विकास प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण-राज्योत्सव में लगभग 18 विभागों द्वारा विभागीय उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक विकास प्रदर्शनी लगाए जाएंगे। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा।सांस्कृतिक संध्या मे सुप्रसिद्ध छत्तीसगढी गायिका पायल साहु के सुरमयी गीत गूंजेगी।इसके साथ ही शरद अग्रवाल एंड ग्रुप द्वारा रंग सरगम,अयान ऑन पियानो, लोक कला मंच 'नवरंग',लोक कला मंच 'मया' के कलाकारों एवं स्कूली छात्रों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी।

डॉक्टर के घर एक करोड़ की चोरी 9 गिरफ्तार

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में महिला डॉक्टर के सूने मकान से करीब एक करोड़ रुपये की नकदी और कीमती आभूषण चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का दुर्ग पुलिस ने पर्दाफाश किया है। मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुख्य आरोपी राहुल बंसोड़ अब भी फरार है। पुलिस ने 47.64 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, चोरी की रकम से खरीदी गई एक्सयूवी कार और सुपर स्प्लेंडर बाइक सहित करीब एक करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, सुंदर नगर निवासी डॉक्टर नमिता मित्तल 17 अक्टूबर को परिवार के साथ घर में ताला लगाकर बाहर गई थीं। 23 अक्टूबर की सुबह लौटने पर उन्हें अलमारी में रखी नकदी और सोने-चांदी व डायमंड के आभूषण गायब मिले। शिकायत पर वैशाली नगर थाने में अपराध दर्ज कर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को राहुल बंसोड़ और उसके साथियों पर संदेह हुआ। आरोपियों की तलाश में टीमों ने महाराष्ट्र के गोंदिया और नागपुर के बाद उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर, प्रयागराज और भदोही में दबिश दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहे थे और गिरफ्तारी से बचने के लिए गंगा नदी पार करने को नाव का इस्तेमाल कर रहे थे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चलाई जांच अभियान, अव्यवस्था पर नोटिफिकेशन जारी

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल द्वारा जिले के हॉटल, मिष्ठान्न भंडारों का सघन जांच किया जा रहा है। इसी कड़ी मे खाद्य सुरक्षा दल द्वारा नई काशीराम सुपर मार्केट के निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों को गैर-खाद्य वस्तुओं के साथ सम्मिलित रूप से रखे जाने तथा व्यवस्थित ढंग से नहीं रखे जाने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया।

जांच के दौरान बड़ा बाजार बलौदाबाजार, शुभम के मार्ट बेमेतरा रोड सिमगा, शिवाय किराना स्टोर्स फलारी, कृष्णा मिष्ठान्न भंडार हथबंद, शुक्ला होटल हथबंद, गोस्वामी होटल लिमतरा, योगेश किराना स्टोर सुहेला तथा महादेव एजेंसी लाहौद से पेड़ा, बेसन लड्डू, रसगुल्ला, शक्कर, तेल, सेवई, गुड़, मैदा एवं बेसन के नमूने संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया।रिपोर्ट में मिलावट या अमानकता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे त्यौहारों के दौरान केवल उच्च गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों के अनुरूप ही खाद्य पदार्थों का निर्माण व विक्रय करें। बिना खाद्य पंजीयन या लाइसेंस के संचालित होने वाले अस्थायी स्टॉलों और शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों की ओर होने वाली संदिग्ध मिठाइयों की सप्लाई चैन पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जागरूक रहें और पैकेटबंद मिठाइयों या सामग्रियों को खरीदते समय लेबलिंग की जाँच एवं बिल अवश्य लें।

बारिश से धान की फसल जलमग्न, बचाने में जुटे किसान

विश्व केसरी■



आरंग (पवन साहू)।'जिसकी उम्मीद में बोया था दाना-दाना, वही फसल आज पानी में डूबी है।' आरंग विधानसभा क्षेत्र के किसानों पर 'अर्णव तूफान' ने कुछ ऐसा ही कहर बरपाया है। खेतों में लहलहाती और पककर कटाई का इंतजार कर रही धान की फसल अचानक हुई बेमौसम बारिश के चलते जलमग्न हो गई है। महीनों की मेहनत जब आंखों के सामने डूबने लगी, तो अन्नदाताओं का सब्र भी जवाब दे गया। अब खेतों से पानी निकालने के लिए डीजल पंपों की गड़गड़ाहट गूंज रही है, तो कहीं किसान खुद पानी में उतरकर टूटे-बिखरे पौधों को हाथों से बांधकर खड़ा करने की जद्दोजहद में जुटे हैं।

इस समय खेतों में धान की बालियां पूरी तरह निकल चुकी थीं और कई जगहों पर कटाई का काम भी शुरू होने वाला था। लेकिन बेमौसम बारिश ने सब कुछ प्रभावित कर दिया। खेतों में पानी लबालब भर चुका है, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की गहरी लकीरें खिंच गई हैं। खेतों में लंबे समय तक पानी भरा रहने से धान के दाने काले पड़ने या अंकुरित होने का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। साथ ही, फसल बचाने के लिए अब किसानों को डीजल पंप का खर्च और अतिरिक्त मजदूरी का भारी बोझ भी उठाना पड़ रहा है। कुदरत की इस दोहरी मार के आगे किसान हार मानने को तैयार नहीं हैं।

करंट लगने से मजदूर की मौत

भिलाई । औद्योगिक नगरी भिलाई में एक बार फिर कंपनी परिसर में मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में है। जामुल थाना क्षेत्र स्थित PIE C प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी परिसर में ट्रेलर पर सामान लोडिंग के दौरान अचानक हाईटेंशन बिजली का तार टूटकर गिर गया। इसकी चपेट में आने से 34 वर्षीय मजदूर किशन महतो गंभीर रूप से झुलस गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, किशन महतो कंपनी परिसर में ट्रेलर पर सामान लोडिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक हाईटेंशन तार टूट गया और वह करंट की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि किशन बुरी तरह झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि घायल मजदूर किशन महतो करीब 20 मिनट तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा। आरोप है कि उसे तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकी।

विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

विश्व केसरी■



आरंग (पवन साहू)। स्थानीय राधा कृष्ण विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग में विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं जागरूकता को ध्यान में रखते हुए विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माननीय न्यायाधीश शिवेंद्र कुमार टेकाम (सिविल जज, आरंग), दुर्गेश कुर्रे (असिस्टेंट ग्रेड-2), ज्ञानेश कुमार बंजारे (अधिवक्ता), चन्द्रहास चंद्राकर (प्रधान आरक्षक), नर्भेराम ध्रुव (आरक्षक) एवं राजेश्वरी जेई (पैरालीगल वॉलंटियर) उपस्थित थे।

इस अवसर पर सिविल जज शिवेंद्र कुमार टेकाम ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के अपराधों, धोखाधड़ी एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को गुड टच एवं बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, विशेषकर बालिकाओं की सुरक्षा तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में समझदारी से कदम उठाने के बारे में बताया। साथ ही बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी, मोबाइल के माध्यम से होने वाले अपराध, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा अनजान व्यक्तियों के साथ अपनी निजी जानकारी साझा न करने के प्रति जागरूक किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को समझाया कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या साइबर अपराध होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत अपने अभिभावकों एवं संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दें।

रेलवे स्टेशन के पास नाली से मिला 7 माह का भ्रुण





विश्व केसरी■

गोबरा-नवापारा (शेखर मिश्रा)। नगर के वार्ड क्रमांक 7 में रेलवे स्टेशन के पास एक निजी अस्पताल के सामने प्रात: नाली में सात माह के मृत भ्रुण का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद गोबरा नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

अस्पताल के सामने भ्रूण मिलने से कई सवाल - प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाली में मृत भ्रुण मिलने की घटना एक निजी अस्पताल के सामने की है। इस घटना के बाद अस्पताल को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। हालांकि, अस्पताल प्रबंधन का पक्ष है कि उनके यहां प्रसव (डिलीवरी) की सुविधा नहीं है और न ही यहां डिलीवरी होती है। ऐसे में अस्पताल के सामने भ्रुण का शव मिलने से अस्पताल की भूमिका को लेकर उठ रही चर्चाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अस्पताल को बदनाम करने की साजिश की आशंका - घटनास्थल की स्थिति और अस्पताल के सामने भ्रुण मिलने को लेकर स्थानीय स्तर पर इसे अस्पताल की छवि खराब करने की साजिश होने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में अभी किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि भ्रूण को वहां किसने और किन परिस्थितियों में छोड़ा था।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस - मामले की गंभीरता को देखते हुए गोबरा नवापारा पुलिस आसपास के अस्पतालों और संबंधित स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का प्रयास है कि घटना से जुड़े सुराग जुटाकर भ्रुण को वहां छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान की जा सके। मौके पर पंचनामा कार्रवाई के बाद पुलिस मृत भ्रूण को अपने साथ ले गई।

भ्रुण देखने उमड़ी लोगों की भीड़- नाली में भ्रुण मिलने की खबर नगर में तेजी से फैल गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई घटना को लेकर चर्चा करता नजर आया। इस संवेदनशील मामले ने जहां लोगों को झकझोर दिया, वहीं नवजात जीवन के साथ इस तरह की अमानवीय घटना को लेकर भी चिंता व्यक्त की जा रही है।

जांच के बाद सामने आएगी सच्चाई - फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मृत भ्रूण को नाली में किसने फेंका और इसके पीछे वास्तविक कारण क्या है।

साइबर फ्रॉड एवं डिजिटल सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित





विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'साइबर फ्राड अ वन डे अवेयरनेस प्रोग्राम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पुलिस मुख्यालय, अटल नगर, नवा रायपुर में पदस्थ साइबर कमांडो रिखम साहू रहे। साहू ने ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, डिजिटल अरेस्ट एवं सोशल मीडिया से जुड़े साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने सुरक्षित पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, प्राइवेसी सेटिंग तथा भारत सरकार की संचार साथी सुविधा के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत हेतु हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल की जानकारी दी। साथ ही भारत सरकार की संचार साथी एवं एम-कवच जैसी साइबर सुरक्षा संबंधी सुविधाओं एवं ऐप की उपयोगिता बताई । कंप्यूटर विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र चाफेकर ने मुख्य वक्ता रिखम साहू को स्मृति चिह्न प्रदान कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी.पी.साहू ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शोभा गावरी, उपप्राचार्य डॉ.मनोज मिश्रा, डॉ.सी.एल. साहू, डॉ.डी.पी. निर्मलकर, डॉ. राजेश श्रीवास, प्रो. जीवन लाल गायकवाड़, प्रो. मुकेश कंसारी, प्रो. राहुल कल्ला, प्रो. महेन्द्रनाथ द्विवेदी, प्रो.भूपेंद्र साहू, प्रो. रेणुका कंसारी सहित प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

1 नवम्बर, राज्य स्थापना दिवस विशेष

शांति से समृद्धि की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़



आचार्य ललित मुनि

सुकमा जिले के दोरनापाल से जगरगुंडा की ओर बढ़ते हुए याद आता है कि कुछ महीनों पहले तक इस रास्ते पर चलने की कल्पना करना भी कठिन था। नक्सलियों का प्रभाव इतना था कि सामान्य पर्यटक की सामान्य आवाजाही भी आसान नहीं थी। बाजार सुबह लगते और दो घंटे में ग्रामीण लेन देन कर अपने गांवों को लौट जाते। आसपास के गांवों के लिए राशन भेजना होता तो उसे भी सुरक्षा बलों की निगरानी में काफिले के साथ रवाना किया जाता था। सड़क पर चलने वाले वाहनों से अधिक चिंता इस बात की रहती थी कि रास्ते में कहीं कोई अनहोनी न हो जाए। यह स्थिति सिर्फ़ जगरगुंडा की नहीं थी, कमोबेश दक्षिण बस्तर के पूरे क्षेत्र में थी। इस इलाके का नाम सुनते ही मन में नक्सल हिंसा और भय की तस्वीर उभरती थी।

आज उसी इलाके में सड़क पर गाड़ियां चल रही हैं। सरकारी योजनाओं का काम आगे बढ़ रहा है और गांवों तक विकास की सुविधाएं पहुंच रही हैं। बदलाव को समझने के लिए किसी बड़े आयोजन या सरकारी आंकड़े की जरूरत नहीं है। दोरनापाल से जगरगुंडा, कोंटा से किस्टाराम, भोपाल पट्टनम से बासागुड़ा आवापल्ली तक का रास्ता ही बता देता है कि बस्तर में कितनी बड़ी लड़ाई लड़ी गई है और जिसके परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। जिस क्षेत्र में कभी राशन पहुंचाना भी चुनौती था, वहां सड़क और विकास की पहुंच अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इस बदलाव के पीछे सुरक्षा बलों के जवानों का साहस और उनका बलिदान है, जिसे याद रखना जरूरी है।

छत्तीसगढ़ की 26 वर्षों की यात्रा को देखते हुए बस्तर का यह दृश्य विशेष महत्व रखता है। एक नवंबर 2000 को अलग राज्य बनने के समय



यहां के लोगों ने उम्मीद की थी कि स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों को समझते हुए विकास की राह बनाई जाएगी। राज्य के पास धान के लहलहाते खेत थे, खनिज संपदा थी, घने जंगल थे और सांस्कृतिक विरासत का समृद्ध संसार था। सिरपुर के प्राचीन मंदिरों से लेकर बस्तर की जनजातीय परंपराओं तक इस भूभाग का अपना इतिहास और सांस्कृतिक पहचान रही है। अलग राज्य बनने के बाद इन संभावनाओं को आकार देने की जिम्मेदारी भी बढ़ गई।

पिछली सरकारों ने भी इस पर काम किया, इसे आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए कई योजनाओं को गति दी है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की सहायता मिल रही है। परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों के बीच यह राशि महिलाओं के हाथ में आती है तो उन्हें आर्थिक निर्णय लेने का कुछ अतिरिक्त अधिकार भी मिलता है। कई महिलाएं इससे बचत कर रही हैं और बच्चों की पढ़ाई तथा भविष्य के लिए राशि जुटा रही हैं। स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदी अभियान के जरिए ग्रामीण महिलाओं को अपनी आजीविका बढ़ाने के अवसर मिल रहे हैं।

कृषि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। यहां धान की फसल के साथ किसान के परिवार की उम्मीदें भी जुड़ी रहती हैं। समर्थन मूल्य पर खरीदी और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता देने के प्रयास किए गए हैं। किसानों को बेहतर आय मिले, इसके लिए खेती में विविधता लाना भी जरूरी है। दलहन, तिलहन, मक्का, फल और सब्जियों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिले तथा कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और विपणन की सुविधाएं गांवों के पास विकसित हों तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल सकती है।

आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का काम भी आगे बढ़ा है। जिन परिवारों ने वर्षों तक कच्ची छत के नीचे मौसम की मार झेली, उनके लिए अपना घर होना बड़ी राहत है। ग्रामीण सड़कों, पेयजल, बिजली और संचार सुविधाओं का विस्तार भी गांवों की तस्वीर बदल रहा है।

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला



ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका



को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी-मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट भारत में गरीबी से मुक्ति की ओर बढ़ते कदमों और करोड़ों जीवन में फैलती खुशहाली की ऐसी उजली तस्वीर प्रस्तुत करती है, मानो दीपावली के पर्व पर विकास के दीप जल उठे हों। यह केवल आंकड़ों की रोशनी नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला है, जो अभावों के अंधकार से निकलकर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। सचमुच, इस बार दीपावली के दीपों में नए भारत की प्रगति और गरीबों के जीवन में आए उजास की चमक भी दिखाई दे रही है।

निस्संदेह, गरीबी के मोर्चे पर भारत की यह सफलता नए भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में करोड़ों लोगों को निर्धनता के दायरे से बाहर लाना एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। लेकिन इस उपलब्धि का अगला चरण आर्थिक असमानता की खाइयों को पाटना और विकास की रोशनी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए। विकसित भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से होगी कि वहां कोई व्यक्ति अभाव, भुखमरी, अशिक्षा और असहायता में जीवन जीने को विवश न हो। 2047 का भारत तभी वास्तविक अर्थों में विकसित और समृद्ध होगा, जब उसकी प्रगति का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता एवं समानता भी उसकी पहचान बनेगी। यही नए भारत का स्वप्न है और यही उसकी विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी भी।

बिखरा भरोसाः आंदोलन से अविश्वास तक



डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत ने स्वतंत्रता के बाद से कई बड़े राजनैतिक आंदोलन देखे हैं। उनमें से कुछ ने सरकारें हिला दीं, कुछ अख़बारों की सुर्ख़ियों में ही दम तोड़ गए। फ़र्क़ अक्सर एक ही बात से पड़ता था कि आम आदमी घर से निकला या नहीं। जेपी का आंदोलन हो, 2011 में अन्ना का रामलीला मैदान हो या किसानों का साल भर चला धरना - तीनों में मुद्दा किसी न किसी रूप में हर घर तक पहुँच गया था। अब हर जगह यह सवाल पूछा जा रहा है कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और राहुल गांधी के 'वोट चोरी' अभियान को जनता का साथ क्यों नहीं मिल रहा। सवाल जायज़ है, पर उसके भीतर एक मान्यता छिपी है कि साथ मिला ही नहीं। उसे परखे बिना आगे बढ़ना ठीक नहीं होगा।

परखने पर पहली बात यह निकलती है कि सीजेपी को जनता का साथ मिला था औरख़ूब मिला। मई 2026 में बने इस व्यंग्यात्मक संगठन के इंस्टाग्राम फ़ॉलोअर हफ़्ते भर से कम में 2.2 करोड़ से ऊपर पहुँच गए। द वीक ने लिखा कि 20 जुलाई को, संसद के मानसून सत्र के पहले दिन, देश भर से हज़ारों लोग दिल्ली आए। एनईईटी-यूजी 2026 के पेपर लीक पर हफ़्तों जंतर-मंतर पर धरना चला औरपीटीआई के हवाले से डीटी नेक्स्ट ने ख़बर दी कि 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफ़ा दे दिया। फ्री प्रेस जर्नल के मुताबिक सीजेपी उनके इस्तीफ़े को पहले से 'अनिवार्य' माँग बता रही थी। जो आंदोलन मंत्री की कुर्सी ले जाए, उसे जन-समर्थन से वंचित कहना अन्याय होगा। पेपर लीक की चोट भी सीधी थी, क्योंकि वह उन परिवारों पर पड़ती है जिनके बच्चे बरसों तैयारी करते हैं।

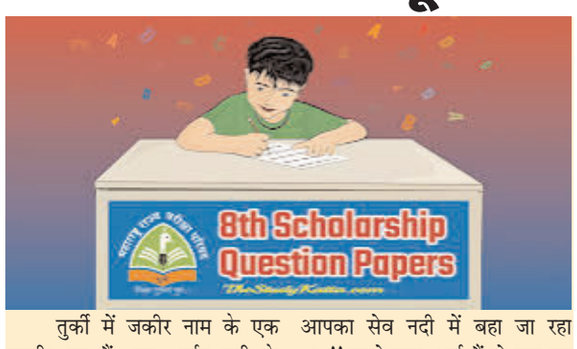
दिक़्क़त बाद में शुरू हुई। आउटलुक के मुताबिक 10 अक्टूबर को सीजेपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की माँग पर दूसरी लहर चलाई। मुद्दा था मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर। पेपर लीक में हर माँ-बाप को अपना नुक़सान दिखता है। मतदाता सूची की बहस में पहले समझाना पड़ता है कि नुक़सान क्या है और किसका है। फ़र्क़ मेरे अनुमान से यहीं पड़ा। यह किसी सर्वे का नतीजा नहीं, मेरा अपना अंदाज़ा है।

10 अक्टूबर की भीड़ पर फ़ैसला सुनाने से पहले यह देख लेना चाहिए कि उस दिन दिल्ली कैसी थी। एएनआई की ख़बर (डेवडिस्कोर्स पर) के अनुसार पुलिस ने जंतर-मंतर पर अनुमति देने से पहले ही मना कर दिया था। उसका कहना था कि वहाँ एक हज़ार लोगों की ही गुंजाइश है। द वीक लिखता है कि साठ हज़ार से ज़्यादा सुरक्षाकर्मी लगाए गए, चार किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट बंद रहा, मेट्रो के कई स्टेशन बंद हुए और सुप्रीम कोर्ट को दख़ल देकर कहना पड़ा कि आम यात्रियों को बेवजह तकलीफ़ न दी जाए। सीजेपी के तीन बड़े नेता विमान से उतरते ही हिरासत में थे। यूएनआई ने सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के हिरासत में लिए जाने की ख़बर दी। ऐसे घेरे में कितने लोग पहुँच पाते, यह कोई नहीं बता सकता।

फिर भी तस्वीर को पूरी तरह सफ़ाई देने लायक़ नहीं कहा जा सकता। द प्रिंट के अनुसार 14 अक्टूबर को सह-संयोजक आशुतोष रंका और सौरव दास को पाँच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। जंतर-मंतर तब तक प्रदर्शन-स्थलों की सूची से हटाया जा चुका था। 16 अक्टूबर की रिपोर्ट में द वीक ने बताया कि कनॉट प्लेस के प्रदर्शन में बहुत कम लोग थे और पहले चरण वाला खिंचाव ढीला पड़ रहा था। आंदोलन के तीनों बड़े चेहरे उस समय या तो हिरासत में थे या घर में पाबंद। वहाँ मौजूद एक प्रदर्शनकारी ने ख़ुद माना कि पहले जितने लोग नहीं हैं। सीजेपी की एक कमज़ोरी उसके जन्म में ही थी। नेशनल हेराल्ड ने प्रशांत किशोर को उद्धृत किया है कि शुरुआती दिनों में यह सोशल मीडिया का अभियान भर था, जिसका कोई स्थापित सांगठनिक ढाँचा नहीं था।

बोध कथा

एक सेवा का मूल्य



तुर्की में जकीर नाम के एक फकीर हुए हैं। वह आईन नदी के किनारे कुटी बनाकर रहते थे। एक दिन नदी में एक सेवा बहता आ रहा था। जकीन ने उसे पकड़ लिया।अभी उसे खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि अंत:करण से आवाज आई ''फकीर! क्या यह तेरी संपत्ति है,क्या तूने इसे परिश्रम से पैदा किया है? यदि नहीं तो इसे खाने का तुझे क्या अधिकार है?''सेव झोले में डालकर अब फकीर अब उसके स्वामी की खोज में नदी के चढ़ाव की ओर चल पड़े। थोड़ी दूर पर एक सेव का बाग मिला। कुछ सेव के वृक्षों की डालें पानी को छू रही थीं,फकीर ने विश्वास किया सेव यहीं से टूटा हुआ होगा। उन्होंने बाग के स्वामी से कहा-यह लीजिए आपका सेव नदी में बहा जा रहा था।'' उसने कहा-भाई मैं तो बाग का रखवाला मात्र हूँ,इसकी स्वामिनी तो बुखारा की राजकुमारी है।''फकीर वहाँ से बुखारा के लिए रवाना हुआ।

कई दिन की पैदल यात्रा के बाद वहाँ पहुँचा और वह सेव लेकर राजकुमारी जी के पास उपस्थित हुआ। फकीर को एक सेव लेकर इस तरह आने का हाल सुनकर राजकुमारी हँसकर बोली-अरे बाबा! इसको वहीं खा लेते,एक सेव यहाँ लाने की क्या आवश्यकता थी?''फकीर ने कहा-राजकुमारी जी आपकी दृष्टि में एक सेव का कुछ भी मूल्य नहीं पर इस सेव ने तो मेरा साधा धर्म,संयम और सारे जीवन की साधना नष्ट कर दी होती।''

कविता

रात कटती रही...



क्षमा त्रिपाठी

रात चांद, ख्वाब कश्मकश
सवालों से
कोई सुलगता रहा
तंज मखौल माजी के
किस्सों से दूर देश,
माटी के लिए कोई
बिलखता रहा
कभी रोजी रोटी,
तो कभी ख्वाहिशों की ओढ़ चादर,
मुंडेर पे बैठा काग बोलता रहा
रात कटती रही, चाँद ढलता रहा
आतिशे हिज्र में कोई जलता रहा.
घर की तन्हाई दिल को डसती रही,
कोई बैचेन करवट बदलता रहा।
मुंतजिर बुजुर्ग दहलीज पे
वीरानों में आशना खोजते रहे।
आशोउम्मीद की शमा रौशन रही,
आहटोजिक्र से कोई दीदार को तरसता रहा
लौटने के वादे से मुकर गए
जो शोहरतों की बुलंदी पे काबिज
वो भी झूठी हसीं, गीली कोरों से
गैर जहां में एक बोझ ताउम्र ढोते रहे।
अश्क पलकों पे आके लजरते गए,
नाम लब पे किसी का मचलता रहा
वो बचपन के यार यादें गली मिट्टी
जादूगर-सा दूजे ख्वाबगाह की सैर कराता रहा
हर हाल हार में पेशानी चूमते माँ-बाप,
पर नालायकों को तरबियत खून का
जलवा दिखाना भी
दुनिया में उतना ही जरूरी था।
हर ईदी-दिवाली में धंसता पहला निवाला,
दूर बैठी सुबकती माँ, वहीं मचलते बच्चे का
संजीदा-सा किरदार कोई कहता रहा।

व्यंग्य केसरी

पति हो, तो प्रमाण दो...



कमलेश कंवल

फुरसतिया फुरसत में हो और मेरे घर में बवाल न हो—यह असंभव है। सो, बवाल हुआ। शुरुआत टीवी से हुई और बीबी तक पहुँच गई। रिश्ते में वह फुरसतिए की भाभी लगती है, मगर पट्ठा उसे बहन बनाए बैठा है। ऊपर से मुझे जीजा मानने को तैयार नहीं। हर बात पर 'भाई साहब' कहकर मेरी हेकड़ी निकाल देता है।

मैंने विपक्ष की तरह यह मुद्दा कई बार उठाया, मगर सरकार के कान पर जूँ तक न रेंगी। उलटे मुझे ही घर से बाहर भेज दिया जाता। आखिर सोचा, क्यों न मैं भी महरारू की पार्टी में शामिल हो जाऊँ। मगर सरकार ने फरमान सुना दिया—'तुम घुसपैठिए हो। पहले साबित करो कि तुम लल्लू के पप्पा ही नहीं, हमसे विधिवत ब्याहे भी हो।'

मैंने कहा, 'घर में अप्पू-पप्पू की पूरी पलटन क्या मेरे पति होने का प्रमाण नहीं?'

फुरसतिया मुस्कराया— 'बच्चे तुम्हारे मर्द होने का प्रमाण हो सकते हैं, पति होने का नहीं।'

मेरी थाली में आती गरम रोटी बीच रास्ते से लौट गई। सरकार बोली— 'जब तक प्रमाण नहीं, खाना नहीं। हाँ, अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलेगा।'

मैंने बड़की बिटिया की ओर देखा। घर में उसका दर्जा सुप्रीम कोर्ट का था।

'माय लॉर्ड! न्याय कीजिए।'

उसने कहा— 'अम्मा स्वतंत्र संवैधानिक संस्था हैं। उनके काम में हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। आप एसआईटी के सामने जाइए।'

'एसआईटी?'

'दालान में जो बड़े भैया मक्खियाँ मार रहे हैं, वही।'

मैं थाली लेकर एसआईटी के सामने पहुँचा। उसने निष्पक्ष जाँच का आश्वासन दिया। मैं रसोई की ओर बढ़ा ही था कि सरकार चीखी— 'घुसपैठिया!'

पप्पू-सेना मुझ पर ऐसे टूट पड़ी, जैसे सदन में विपक्षी पर मार्शल। देखते-देखते मुझे घर से बाहर कर दिया गया। माथे पर नोटिस चिपका था— 'पहले सिद्ध करो कि तुम हमसे विधिवत ब्याहे हो।'

मैं पंडित जी और शादी का एलबम लेकर लौट आया। पंडित जी बोले— 'हाँ, मैंने विवाह कराया था।'

फुरसतिया ने पूछा— 'दुल्हन को पहचानते हैं?'

'घूँघट था।'

गवाही खारिज।

एलबम आया तो फैसला हुआ— 'आजकल एआई का ज़माना है। तस्वीर भी नकली हो सकती है। डिजिटल फॉरेंसिक जाँच होगी।'

बारातियों की गवाही ली गई। किसी को साड़ी का रंग याद नहीं, किसी को मिठाई, किसी को सात फेरे याद थे, किसी को आठ। सबकी गवाही संदिग्ध घोषित कर दी गई।

अंततः फुरसतिया ने फैसला सुनाया— 'आवेदक सरकार के पति हो भी सकते हैं और नहीं भी। अंतिम निर्णय अगली सुनवाई तक स्थगित। तब तक इन्हें 'संदिग्ध पति' मानते हुए टीनशेड में रहने की अंतरिम राहत दी जाती है।'

तभी रसोई से सरकार की

इतिहास

2 नवंबर का इतिहास देश और दुनिया की प्रमुख घटनाओं से जुड़ा हुआ है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1834: 'एटलस' नामक जहाज भारतीय मजदूरों को लेकर मॉरीशस पहुंचा था। इस दिन को वहां 'अप्रवासी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

1835: फ्लोरिडा में अमेरिका के मूल निवासियों के बीच दूसरा 'सेमीनोले युद्ध' शुरू हुआ।

1914: रूस ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1917: ब्रिटेन ने 'बालफोर घोषणापत्र' जारी किया, जिसमें फिलिस्तीन में एक यहूदी राष्ट्र के लिए समर्थन की घोषणा की गई थी। 1936: बीबीसी ने लंदन से दुनिया की पहली नियमित हाई-डेफिनिशन सार्वजनिक टेलीविज़न सेवा शुरू की। 1951: मिस्र में ब्रिटेन के खिलाफ प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए लगभग 6,000 ब्रिटिश सैनिक वहां पहुंचे।

राज्योत्सव में बिखरेंगे संस्कृति के रंग, 40 स्टॉलों में दिखेगी विकास की झलक

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज पुलिस परेड मैदान में होगा जिला स्तरीय समारोह

विश्व केसरी■



बिलासपुर (रवि सिंह)। जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियां बिलासपुर में जोर-शोर से चल रही हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज पुलिस परेड मैदान में समारोह आयोजित होगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने राज्योत्सव की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने तथा आम नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया, अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पाण्डेय, योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सहकारी बैंक अध्यक्ष रजनीश सिंह और नगर निगम सभापति विनोद सोनी शामिल होंगे।

कलेक्टर ने विभागीय प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि स्टॉलों में योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को मौके पर योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए। उन्होंने जीवंत मॉडल और सरल एवं आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि लोग उन्हें आसानी से समझ सकें। समारोह स्थल पर करीब 40 स्टॉलों के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रदर्शित करने की तैयारी की जा रही है। कलेक्टर ने स्टॉलों में विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति और योजनाओं की जानकारी देने वाली प्रचार सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सांस्कृतिक मंच, मुख्य मंच, बैठक व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग और फूड जोन की व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुगम आवागमन एवं बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, प्राथमिक उपचार और अग्नि सुरक्षा के इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत उपकरणों एवं अस्थायी संरचनाओं की सुरक्षा जांच कराने तथा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से जिम्मेदारियां पूरी करने को कहा है।

राज्योत्सव में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र होंगी। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4 बजे स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों और डीपीएस बैंड से होगी। इसके बाद आरपीएफ बैंड की प्रस्तुति, साइबर साक्षरता कार्यक्रम, एकॉर्डियन वादन, राधिका शर्मा की कथक प्रस्तुति तथा तनिष्क वर्मा, कनक साहू और मयांशी खंडेलवाल का गायन होगा। शाम 7 बजे से 7.30 बजे तक मंचीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके पश्चात तरंग बैंड, वंदिता साहू एंड ग्रुप की सामूहिक प्रस्तुति और अंत में अनुराग शर्मा एंड ग्रुप की प्रस्तुति होगी। निरीक्षण के अवसर पर नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल, अपर कलेक्टर वीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एडीएम शिवकुमार बनर्जी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय साझा काव्य संकलन में रचना प्रकाशित होने पर व्याख्याता लक्ष्मीनारायण क्षत्री सम्मानित



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। माँ महामाया साहित्यिक संस्थान, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित 'राष्ट्र पुरुष अटल जी और मोदी जी' पुस्तक विमोचन, सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन 2026में शासकीय हाई स्कूल परसदाखुर्द, विकासखंड सक्ती, जिला सक्ती के व्याख्याता लक्ष्मीनारायण क्षत्रीको उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक रचना के लिए सम्मानित किया गया।

इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायाधीश चंद्रभूषण बाजपेयी, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राघवेंद्र दुबेतथा विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वर्गीय सुरेन्द्र दुबे की धर्मपत्नी शशि दुबेएवं स्मृति वैष्ण जैन, प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा एवं समाजसेविकाकी गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से व्याख्याता लक्ष्मीनारायण क्षत्री को उनकी साहित्यिक रचना 'अटल जी की बात अलग, अटल जी खास अलग', जो कि 'राष्ट्र पुरुष अटल जी और मोदी जी' अंतरराष्ट्रीय साझा संकलनमें प्रकाशित हुई है, के लिए सम्मानित किया गया।

क्षत्री की इस उपलब्धि से न केवल शासकीय हाई स्कूल परसदाखुर्द, बल्कि संपूर्ण सक्ती जिले का गौरव बढ़ा है। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएँ देने के साथ-साथ साहित्य सृजन में उनकी सक्रिय सहभागिता अन्य शिक्षकों एवं साहित्य प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर ग्राम पंचायत परसदाखुर्द की सरपंच फुलेश्वरी पटेल, जनपद सदस्य सत्यप्रकाश महंत, जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे, शासकीय हाई स्कूल परसदाखुर्द की प्रभारी प्राचार्य के. डी. गवेल, सुरेन्द्र कुमार साहू, राजेंद्र कुमार बेहरा, विनीता राठौर, रूप सिंह राठिया, सुरेन्द्र कुमार सिदार, हेमंत राज, कुमारी मंजू चौहान सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की है कि लक्ष्मीनारायण क्षत्री भविष्य में भी अपनी साहित्यिक प्रतिभा से शिक्षा जगत एवं सक्ती जिले का नाम रोशन करते रहेंगे। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में क्षत्री की यह उपलब्धि समूचे विद्यालय परिवार के लिए गर्व एवं प्रसन्नता का विषय है।

राज्योत्सव के निमंत्रण पत्र में छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर नहीं होने पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (राजेश उपाध्याय)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को मनेन्द्रगढ़ के स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्योत्सव 2026 का निमंत्रण पत्र राजनीतिक और सांस्कृतिक चर्चा का विषय बन गया है। एमसीबी जिला प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक आमंत्रण पत्र में छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर शामिल नहीं किये जाने पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ता पियूष ताम्रकार ने आपत्ति जताते हुए इसे प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा विषय बताया है।

पियूष ताम्रकार का कहना है कि छत्तीसगढ़ महतारी केवल एक प्रतीकात्मक तस्वीर नहीं बल्कि प्रदेश की संस्कृति, परंपरा, गौरव और स्वाभिमान का प्रतिनिधित्व करती हैं। ऐसे में राज्य स्थापना दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह के आमंत्रण पत्र में उन्हें स्थान नहीं मिलना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव प्रदेश की पहचान और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का अवसर होता है इसलिए इससे जुड़े हर प्रतीक को उचित सम्मान मिलना चाहिये।



उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ी भाषा, लोकसंस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिये कई पहल की गई थीं। इसी क्रम में प्रदेश के पारंपरिक गीत 'अरपा पैरी के धार' को राजगीत का दर्जा दिया गया जिससे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का प्रयास हुआ।

ताम्रकार ने भाजपा सरकार और जिला प्रशासन से सवाल किया कि जब राज्योत्सव प्रदेश की अस्मिता और गौरव का उत्सव है तो इसके आधिकारिक निमंत्रण पत्र में छत्तीसगढ़ महतारी को स्थान क्यों नहीं दिया गया? उन्होंने प्रशासन से इस विषय पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ता ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि निमंत्रण पत्र में हुई इस चूक को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक संशोधन किया जाये और राज्योत्सव के आयोजन में छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर को सम्मानपूर्वक स्थान दिया जाये। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी किसी राजनीतिक दल की पहचान नहीं बल्कि प्रदेश के प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी की सांस्कृतिक अस्मिता और गौरव का प्रतीक हैं। उनका सम्मान किसी राजनीतिक विचारधारा से ऊपर है। राज्य स्थापना दिवस का आयोजन तभी अपनी सांस्कृतिक भावना को पूरी तरह प्रदर्शित कर सकेगा जब प्रदेश की पहचान से जुड़े प्रतीकों को भी उसमें उचित स्थान मिले।

कलेक्टर के निर्देश पर फसल क्षति का आकलन करने खेतों में पहुंचीं कृषि विभाग और बीमा कंपनी की टीमें

विश्व केसरी■



बिलासपुर (रवि सिंह)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से जिले में हुई फसल क्षति का आकलन करने कृषि विभाग और एचडीएफसी एर्गो बीमा कंपनी की संयुक्त टीमें गांवों में पहुंचकर सर्वेक्षण कर रही हैं। मैदानी अधिकारी खेतों का निरीक्षण करने के साथ प्रभावित किसानों से संपर्क कर नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं, ताकि नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके।

संयुक्त टीमों ने आज मानकचौरी, रतनपुर, बिटकुला, पोड़ी, गोबरी और हरदीकला सहित विभिन्न ग्रामों में खेतों का निरीक्षण कर फसलों की स्थिति का जायजा लिया। उप संचालक कृषि एम.आर. तिग्गा एवं सहायक संचालक शशांक शिंदे ने भी किसानों से मुलाकात कर प्रभावित फसलों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन और कृषि विभाग उनके साथ हैं। फसल क्षति के आकलन और नियमानुसार सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल नुकसान की सूचना दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई गई। उन्हें टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447, व्हाट्सएप नंबर 7066514447 तथा क्रॉप इंश्योरेंस ऐप सहित उपलब्ध माध्यमों की जानकारी दी गई। टीमों द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर नुकसान की सूचना दर्ज कराने में किसानों को आवश्यक सहयोग भी दिया जा रहा है।

जिले के सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावित किसानों से संपर्क कर फसल क्षति का सर्वेक्षण कर रहे हैं। कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी की संयुक्त टीमें नुकसान की वास्तविक स्थिति का आकलन कर रही हैं। कृषि विभाग ने प्रभावित किसानों से अपील की है कि वे फसल क्षति की सूचना समय पर दर्ज कराएं और सर्वेक्षण के दौरान आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने का अल्टीमेटम

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 60, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है। बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे।

संभागायुक्त दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर खास चिंतन: श्रेष्ठ राज्य के निर्माण में सबकी भूमिका सुनिश्चित हो

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। छत्तीसगढ़ राज्य ने अपनी स्थापना के 26 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के दूरदर्शी नेतृत्व में तत्कालीन 16 जिलों को मिलाकर छत्तीसगढ़ भारत का 26वां राज्य बना था। आज नवा रायपुर में 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम के तहत त्रिदिवसीय राज्योत्सव समारोह का आगाज हुआ है। छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा', प्रचुर खनिज संपदा, और भगवान श्री राम के ननिहाल व माता कौशल्या की पावन भूमि के रूप में जाना जाता है।



छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने राज्य स्थापना दिवस के इस अवसर पर प्रदेश की वर्तमान स्थिति और जनसरोकारों को लेकर एक गंभीर वैचारिक मंथन प्रस्तुत किया है। उन्होंने सवाल उठाया है कि इन बीते 26 वर्षों में छत्तीसगढ़ की आम जनता के हिस्से में आखिर क्या खास आया है?

यात्री सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में उपेक्षा पर अधिवक्ता

पटेल ने कहा कि बिलासपुर में रेलवे जोन मिलना छत्तीसगढ़िया विकास दृष्टि की खास उपलब्धि नहीं कही जा सकती, क्योंकि जिस शिद्दत से रेलवे स्टेशन का विकास और यात्री ट्रेनों की सुलभता होनी चाहिए थी, वैसी नहीं हुई। बेरोजगारों को रोजगार मिलने के बजाय हर दृष्टि से आम छत्तीसगढ़िया ठगा महसूस कर रहा है तो वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं की बात करें तो प्रदेश के एकमात्र एम्स रायपुर में आम आदमी अपनी बारी का इंतजार करते-करते दम तोड़ रहा है।

न्यायालयीन सुविधाओं के नाम पर हाईकोर्ट तो मिला, परंतु आज भी कई महत्वपूर्ण ट्रिब्यूनल के चक्कर में पक्षकारों के साथ-साथ वकीलों को जबलपुर और भोपाल आदि स्थानों की दौड़ लगानी पड़ रही है। मेडिकल शिक्षा के नाम पर धड़ाधड़ कॉलेज तो खोले जा रहे हैं, लेकिन रायपुर मेडिकल कॉलेज को छोड़ दें, तो अन्य कॉलेजों में स्टाफ और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण हमेशा मान्यता समाप्ति का हंटर बरसता नजर आता है।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (रवि सिंह)। जिले में हड़ताल पर गए सभी 259 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। बिलासपुर, बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर और कोटा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने संबंधित पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जारी नोटिस में कहा गया है कि 13 अक्टूबर से सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है। इसके अलावा आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। नोटिस में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुई फसल क्षति का त्वरित सर्वेक्षण, नुकसान का आकलन और पात्रतानुसार राहत संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता से की जानी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से ये अत्यावश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित पटवारियों से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई, अनुपस्थिति अवधि के वेतन एवं अन्य सेवा लाभों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई तथा उक्त अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माने जाने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

जशपुर-मसाला उद्योग से बनीं लखपति दीदी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन की बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्व सहायता समूहों से जुड़कर जिले की महिलाएं स्वरोजगार अपना रही हैं और लखपति दीदी बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। इसी कड़ी में फरसाबहार विकासखंड के ग्राम खुटगांव की रहने वाली माधुरी निकुंज ने मसाला उद्योग के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनाई है। माधुरी वर्ष 2017 में बिहान योजना से जुड़ीं। योजना के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार शुरू करने के लिए बैंक लिंकेज के तहत 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई।

राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का जिला नोडल अधिकारी ने लिया जायजा

विश्व केसरी■



मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (राजेश उपाध्याय)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर जिला नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम ने समारोह स्थल स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड, मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह 2 नवंबर 2026 को शाम 4 बजे आयोजित होगा। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने आयोजन स्थल की तैयारियों, आवश्यक व्यवस्थाओं और कार्यक्रम के सुचारू संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार समारोह की जिम्मेदारियां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपी गई हैं। कार्यक्रम में विभागीय समन्वय, सुव्यवस्थित व्यवस्था और आगंतुकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि राज्य स्थापना दिवस का आयोजन गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान उप नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, तहसीलदार विनीत कुमार सिंह, समीर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेश की गौरवशाली पहचान, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा का महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह को यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

सहायक ग्रेड-3 एवं भृत्य पदों की लिखित परीक्षा आगामी आदेश तक स्थगित

अम्बिकापुर। कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अंबिकापुर द्वारा सहायक ग्रेड-3 एवं भृत्य के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 01 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिखित परीक्षा के संबंध में अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अतिरिक्त आपत्तियों का निराकरण किए जाने के पश्चात लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। साथ ही आगामी लिखित परीक्षा की नई तिथि भी पृथक से निर्धारित कर कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

दिवाली से पहले बाजार में लौटी रौनक; अगले हफ्ते वैश्विक तनाव

विश्व केसरी■

मुंबई। लगातार दबाव में रहने के बाद भारतीय शेयर बाजार ने दिवाली से पहले मजबूत वापसी दर्ज की है। इस सप्ताह (26-30 अक्टूबर के कारोबारी सत्र में) सेंसेक्स 1,335.70 अंक या 1.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,459.53 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 453.10 अंक या 2.00 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,053.10 पर बंद हुआ। इस दौरान फार्मा, आईटी और चुनिंदा सेक्टरों में खरीदारी लौटने से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और बाजार सकारात्मक रुख के साथ सप्ताह का समापन करने में सफल रहा।



वहीं अब बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि नवंबर के पहले कारोबारी सप्ताह में बाजार की दिशा कई वैश्विक और घरेलू कारकों से तय होगी। अमेरिकी मिड-टर्म चुनाव, अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कॉर्पोरेट नतीजे निवेशकों की रणनीति को प्रभावित कर सकते हैं। इसी वजह से बाजार में तेजी का माहौल तो है, लेकिन उतार-चढ़ाव भी बना रह सकता है।

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, निफ्टी ने सप्ताह की शुरुआत कमजोर रुख के साथ की थी और पहले कारोबारी दिन 22,387.35 के साप्ताहिक निचले स्तर तक फिसल गया था। हालांकि इस स्तर पर मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जिसके बाद बाजार ने वापसी की और अंत में निफ्टी 23,053.10 पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह में सूचकांक करीब 453 अंकों (2 प्रतिशत) की बढ़त दर्ज करने में सफल रहा। तकनीकी रूप से निफ्टी ने 200-वीक एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) और दीर्घकालिक अपट्रेंड लाइन के पास मजबूत समर्थन लिया है। इससे बाजार की निकट अवधि की तस्वीर पहले की तुलना में बेहतर हुई है।

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी फार्मा सबसे बड़ा विजेता रहा और लगभग 7.09 प्रतिशत चढ़ा। इसके बाद मीडिया इंडेक्स में 4.34 प्रतिशत और रियल्टी इंडेक्स में 3.77 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

इसके अलावा मेटल, ऑटो, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक शेयरों में भी 2 से 3 प्रतिशत के बीच बढ़त देखी गई। हालांकि बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र की बढ़त अपेक्षाकृत सीमित रही।

विश्लेषकों का कहना है कि दूसरी तिमाही के नतीजों ने कई सेक्टरों में स्टॉक आधारित खरीदारी को समर्थन दिया है।

तकनीकी विश्लेषकों के अनुसार, निकट अवधि में 23,200 का स्तर निफ्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) बना हुआ है। यदि सूचकांक इस स्तर को निर्णायक रूप से पार कर लेता है तो अगला लक्ष्य 23,700 से 24,000 के बीच हो सकता है। वहीं नीचे की ओर 22,850 पहला प्रमुख सपोर्ट है। इसके बाद 22,600 से 22,400 का क्षेत्र बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह वही क्षेत्र है जहां 200-वीक ईएमए और दीर्घकालिक ट्रेंडलाइन मौजूद हैं।

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 23 प्रतिशत उछलकर 2.31 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। देश की आर्थिक गतिविधियों में मजबूती के बीच अक्टूबर 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार द्वारा रविवार को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले वर्ष अक्टूबर 2025 में 1.88 लाख करोड़ रुपए था।

रिफंड को समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 1.61 लाख करोड़ रुपए था। यह वृद्धि घरेलू आर्थिक गतिविधियों में तेजी और आयात से मिलने वाले कर राजस्व में उल्लेखनीय उछाल का संकेत देती है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू जीएसटी संग्रह अक्टूबर में 15.8 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में और भी तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो 42.2 प्रतिशत बढ़कर 72,246 करोड़ रुपए पहुंच गया।

घरेलू जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का 64,769 करोड़ रुपए रहा। दूसरी ओर आयात से प्राप्त आईजीएसटी संग्रह अक्टूबर 2025 के 50,796 करोड़ रुपए से बढ़कर इस वर्ष 72,246 करोड़ रुपए हो गया।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में शुद्ध जीएसटी राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले 11.27 लाख करोड़ रुपए था।

सरकार ने यह भी बताया कि अक्टूबर में जीएसटी रिफंड में वृद्धि दर्ज की गई। कुल रिफंड 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 26,225 करोड़ रुपए था।

भारत का कोयला आयात अगस्त में 5.83 प्रतिशत घटा, घरेलू उत्पादन बढ़ने से आयात 104.57 मिलियन टन पर आया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के सरकार के प्रयासों के बीच अगस्त 2026 में भारत का कोयला आयात सालाना आधार पर 5.83 प्रतिशत घटकर 104.57 मिलियन टन (एमटी) रह गया। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 111.05 मिलियन टन था। कोयला मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की।

कोयला मंत्रालय के अनुसार, इस दौरान कुल आयात में 6.48 मिलियन टन की कमी दर्ज की गई, जो घरेलू कोयले की बेहतर उपलब्धता और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार का संकेत है।

बिजली उत्पादन क्षेत्र में भी आयातित कोयले पर निर्भरता कम हुई है। अगस्त 2026 में बिजली संयंत्रों द्वारा कोयला आयात 6.39 प्रतिशत घटकर 21.32 मिलियन टन रहा, जबकि अगस्त 2025 में यह 22.77 मिलियन टन था।

बयान में कहा गया है कि सरकार घरेलू कोयला-आधारित बिजलीघरों में आयातित कोयले के मिश्रण की आवश्यकता कम करने पर लगातार जोर दे रही है।

विशेष रूप से घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में ब्लेंडिंग के लिए आयातित कोयले की मांग में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस श्रेणी में आयात 35.23 प्रतिशत घटकर 3 मिलियन टन रह गया, जो एक वर्ष पहले 4.64 मिलियन टन था। हालांकि आयातित कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों द्वारा कोयला आयात में मामूली वृद्धि देखी गई। इन संयंत्रों का आयात 0.98 प्रतिशत बढ़कर 18.31 मिलियन टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 18.13 मिलियन टन था। ये संयंत्र मुख्य रूप से आयातित कोयले के उपयोग के लिए ही डिजाइन किए गए हैं।

देश की कुल कोयला खपत में आयातित कोयले की हिस्सेदारी भी घटकर 19.30 प्रतिशत रह गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 21.20 प्रतिशत थी। इस प्रकार आयातित कोयले की हिस्सेदारी में 1.90 प्रतिशत अंक की कमी दर्ज की गई। इस्पात उद्योग की जरूरतों के लिए उपयोग होने वाले कोकिंग कोल के आयात में भी कमी आई है। अगस्त 2026 में इसका आयात 4.18 प्रतिशत घटकर 27.30 मिलियन टन रहा, जबकि एक वर्ष पहले यह 28.49 मिलियन टन था।

नवंबर की शुरुआत में महंगाई का झटका, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपए महंगा, एटीएफ 1.37 रुपए बढ़ी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नवंबर की शुरुआत के साथ ही कमर्शियल एलपीजी (एलपीजी) और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। तेल विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 10 रुपए की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद इसकी कीमत 2,810 रुपए से बढ़कर 2,820 रुपए हो गई है।

यह लगातार दूसरा महीना है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को इसकी कीमत में 62.50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी। वहीं सितंबर में भी 9.50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई थी।

हालांकि इससे पहले जुलाई और अगस्त में कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में क्रमश: 183.50 रुपए और 192 रुपए की बड़ी कटौती की गई थी। इसके बावजूद फरवरी से जून के बीच कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कुल 1,373 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिससे कीमत 1,740.50 रुपए से बढ़कर रिकॉर्ड 3,113.50 रुपए प्रति सिलेंडर तक पहुंच गई थी।

संशोधित दरों के अनुसार, 5 किलोग्राम के फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर के नए कनेक्शन की कीमत 1,903 रुपए निर्धारित की गई है, जबकि इसके रिफिल की कीमत 782 रुपए रहेगी। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसकी कीमत 942 रुपए प्रति सिलेंडर पर बरकरार रखी गई है। इसी तरह मई में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसके साथ ही, विमानन क्षेत्र के लिए एक और झटका देते हुए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। 1 नवंबर से एटीएफ की कीमत 1.37 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 138.50 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 137.12 रुपए प्रति लीटर थी।

यह लगातार चौथा महीना है जब विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और विमान ईंधन के मजबूत दामों के कारण यह बढ़ोतरी हुई है। चूंकि एयरलाइंस की कुल परिचालन लागत में एटीएफ की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक होती है, इसलिए इससे विमानन कंपनियों की लागत पर सीधा असर पड़ सकता है। तेल कंपनियों के अनुसार, एलपीजी और एटीएफ की कीमतों का पुनरीक्षण हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों और रुपए-डॉलर विनिमय दर के आधार पर किया जाता है।

'फ्लोरीकल्चर मिशन' से डोडा की महिलाओं को मिल रही नई पहचान, गेंदे की खेती से बढ़ी आय और आत्मनिर्भरता



विश्व केसरी■

नई दिल्ली/डोडा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की 'फ्लोरीकल्चर मिशन' पहल जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनकर उभरी है। भद्रवाह के सार्तिंगल गांव और अथखर घाटी क्षेत्र में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) अब व्यावसायिक फूल खेती के जरिए न केवल अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं, बल्कि कृषि क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका भी निभा रही हैं।

डोडा जिले की महिलाओं ने सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (सीएसआईआर-आईआईआईएम) के सहयोग से बंजर भूमि पर गेंदे (मैरीगोल्ड) की खेती शुरू की है, जिसका नेतृत्व एनआरएलएम की क्लस्टर कोऑर्डिनेटर नादिया फारूक कर रही हैं। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की फ्लोरीकल्चर मिशन योजना के तहत महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया।

नादिया फारूक ने बताया कि शुरुआत में उनके क्लस्टर की पांच महिलाओं ने परीक्षण के तौर पर बंजर भूमि पर गेंदे की खेती शुरू की थी, लेकिन यह प्रयोग बेहद सफल साबित हुआ। पिछले डेढ़ महीने से वे जम्मू के सप्लायर्स को फूल बेच रही हैं और इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है।

उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'पहले हम पारंपरिक खेती (मक्के) करते थे, फिर हम आईआईआईएम के रूरल ऑफिसर से मिले और उन्होंने हमें गेंदे की खेती करने के लिए मोटीवेट किया। इसके बाद हमने उन्हीं से बीज लेकर इसकी खेती शुरू की।'

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा, 'इस फेस्टिव सीजन नवरात्रि में इनसे हमें अच्छी-खासी इनकम आई।' उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में यह 30-35 रुपए प्रति किलो बिकता है, लेकिन फेस्टिव सीजन में डिमांड ज्यादा होने के कारण यह 60 रुपए प्रति किलो तक भी बिका, जिससे हमें अच्छी कमाई हुई।

उन्होंने आगे कहा, 'इसके साथ ही हम अपने क्षेत्र के लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं कि वे अपनी पारंपरिक खेती के साथ गेंदे की भी खेती करें ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। इसके लिए हम उन्हें प्रशिक्षण भी देते हैं, साथ ही बीज और आर्थिक मदद भी उपलब्ध कराते हैं।'

इस पहल से जुड़ी रानी नाम की एक महिला किसान स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई हैं। 'उम्मीद योजना' से पिछले आठ वर्षों से जुड़ी रानी ने बताया कि उन्होंने पहले एक छोटे कारोबार से अपनी उद्यमशील यात्रा शुरू की थी और पिछले तीन वर्षों से गेंदे की खेती भी कर रही हैं।

रानी ने कहा, 'अब तक वह बाजार में 3 लाख रुपए से अधिक मूल्य के गेंदे के फूल बेच चुकी हैं, जिससे उनके परिवार को अतिरिक्त आय का मजबूत स्रोत मिला है। उन्होंने कहा कि फ्लोरीकल्चर विभाग की ओर से बीज, प्रशिक्षण और नियमित जागरूकता कार्यक्रमों का लाभ भी मिल रहा है, जिससे खेती की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार हुआ है।'

सोना इस हफ्ते एक हजार रुपए और चांदी 13 हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमश: 1,500 रुपए और 13,000 रुपए से अधिक घट गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,576 रुपए कम होकर 1,40,054 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,41,630 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,28,289 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले1,29,733 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,05,041 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,06,223 रुपए प्रति 10 ग्राम था।



इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 30 अक्टूबर को शाम के सत्र में 1,40,054 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 28 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,42,300 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 13,071 रुपए कम होकर 1,81,344 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 1,94,415 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 26 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,95,050 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 30 अक्टूबर को शाम के सत्र में 1,81,344 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 3,885 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 49 डॉलर प्रति औंस के करीब था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ना था। अमेरिका की ओर से ईरान पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। वहीं, डॉलर इंडेक्स के मजबूत होने और कच्चा तेल के 110 डॉलर के पार जाकर टिकने से सोने और चांदी पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में खनिज ले जाने वाले ट्रकों में जीपीएस अनिवार्य, बिना जीपीएस नहीं मिलेगा परमिट

विश्व केसरी■



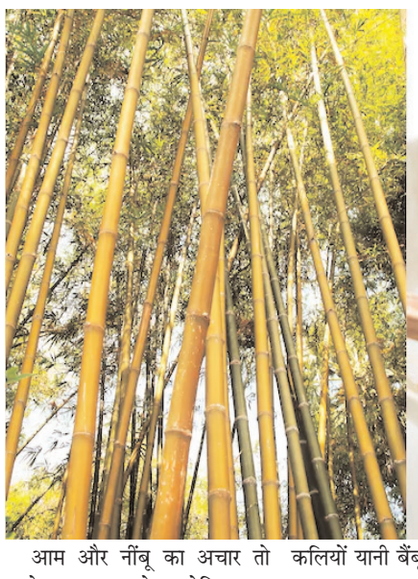
चेन्नई। तमिलनाडु में खनिज ले जाने वाले ट्रकों के लिए अब जीपीएस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना एआईएस 140 मानक वाले जीपीएस डिवाइस के अब ट्रकों को ट्रांसपोर्ट परमिट या ट्रांजिट पास नहीं मिलेगा। राज्य सरकार ने यह नियम रविवार से लागू कर दिया है क्योंकि अंतिम बढ़ी हुई समय सीमा 31 अक्टूबर को खत्म हो गई।

भूविज्ञान और खनन विभाग ने शनिवार को इस फैसले की घोषणा की। पूरे राज्य में खनिज परिवहन में लगे वाहनों के लिए निर्धारित ट्रैकिंग डिवाइस लगाना और उसे विभाग के ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है।

विभाग ने उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। बिना जीपीएस डिवाइस और वैध परमिट के खनिज ले जाने वाले वाहनों की जांच की जाएगी और उन्हें जब्त किया जाएगा, साथ ही उनके मालिकों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी। यह नियम अवैध खनन और खनिजों की अनधिकृत आवाजाही को रोकने के सरकारी प्रयासों का हिस्सा है। खनिज ले जाने वाले वाहनों को अपनी डिजिटल प्रणाली से जोड़कर विभाग परिवहन पर निगरानी मजबूत करना चाहता है और परमिट सिस्टम के बाहर आवाजाही पर रोक लगाना चाहता है। निर्देशों के अनुसार, ऑपरेटरों को एआईएस 140 मानक वाले जीपीएस डिवाइस लगाने होंगे और उन्हें मिनरल मैनेजमेंट सिस्टम (एमआईएमएएस) से जोड़ना होगा। सिर्फ डिवाइस लगा देना ही काफी नहीं है, उसे विभाग के पोर्टल से जोड़ना भी जरूरी है। इस नियम के लिए पहले कई बार समय सीमा बढ़ाई गई थी। जीपीएस डिवाइस लगाने की मूल समय सीमा 31 मार्च 2026 थी। इसके बाद सरकार ने 1 सितंबर से बिना उपकरण वाले वाहनों को ट्रांजिट पास देना बंद करने की योजना बनाई थी। लेकिन अनुपालन की समय सीमा को पहले 30 सितंबर और फिर 31 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया था, ताकि वाहन मालिकों को डिवाइस लगाने और पोर्टल-लिंकिंग प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सके। अब यह अवधि समाप्त हो गई है और परमिट प्रतिबंध लागू हो गए हैं।

1 नवंबर से लागू यह नियम ट्रांसपोर्ट दस्तावेजों को जीपीएस अनुपालन से सीधे जोड़ता है। खनिज ले जाने वाले ट्रकों के लिए परमिट या ट्रांजिट पास चाहने वाले मालिकों को इसलिए यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके वाहन इंस्टॉलेशन और ऑनलाइन इंटीग्रेशन दोनों शर्तों को पूरा करें।

अचार तो आपने बहुत खाए होंगे, लेकिन क्या कभी चखा है बांस का अचार? स्वाद मिलेगा जबरदस्त





आम और नींबू का अचार तो आपने खूब खाया होगा, लेकिन क्या कभी बांस का अचार चखा है? बांस की कोमल कलियों से बनने वाला यह चटपटा अचार स्वाद में बेहद खास होता है. जानें इसे घर पर बनाने का आसान तरीका.

अचार का नाम सुनते ही आम, नींबू और मिर्च का स्वाद याद आने लगता है, लेकिन क्या आपने कभी बांस का अचार खाया है? जी हां, बांस से भी स्वादिष्ट और चटपटा अचार बनाया जाता है. इसे खासतौर पर पूर्वोत्तर भारत के कई इलाकों में पसंद किया जाता है. बांस की कोमल कलियों यानी बैंबू शूट से बनने वाला यह अचार स्वाद में थोड़ा खट्टा, तीखा और कुरकुरा होता है. इसे दाल-चावल, रोटी और पराठे के साथ खाया जा सकता है. अगर आप रोज एक जैसा अचार खाकर बोर हो गए हैं, तो इस बार घर पर बांस का अचार जरूर ट्राई करें.

इस अचार को बनाने के लिए 250 ग्राम ताजा बांस की कोमल कलियां, 3-4 बड़े चम्मच सरसों का तेल, 1 छोटा चम्मच राई, आधा छोटा चम्मच मेथी दाना, 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच सौंफ, स्वादानुसार नमक और 2 बड़े चम्मच सिरका लें. चाहें तो स्वाद बढ़ाने के लिए थोड़ा सा हींग भी डाल सकते हैं.

ताजे बांस की कोमल कलियों को अच्छी तरह साफ करें. इनके बाहरी सख्त छिलके हटा दें और अंदर के नरम हिस्से को पतले टुकड़ों में काट लें. अब इन्हें हल्के नमक वाले पानी में 8-10 मिनट तक उबालें. उबालने के बाद पानी फेंक दें और बांस के टुकड़ों को ठंडा होने दें. कच्चे बांस का इस्तेमाल सीधे न करें, क्योंकि उसमें प्राकृतिक रूप से ऐसे तत्व हो सकते हैं जिन्हें उबालकर कम करना जरूरी है.

मसालों को तैयार करें: अब एक पैन में सरसों का तेल गर्म करें. तेल गर्म होने पर गैस धीमी कर दें. इसमें राई और मेथी दाना डालें. जब मसालों से खुशबू आने लगे, तब हल्दी, लाल मिर्च, सौंफ और हींग डालकर मिला लें.

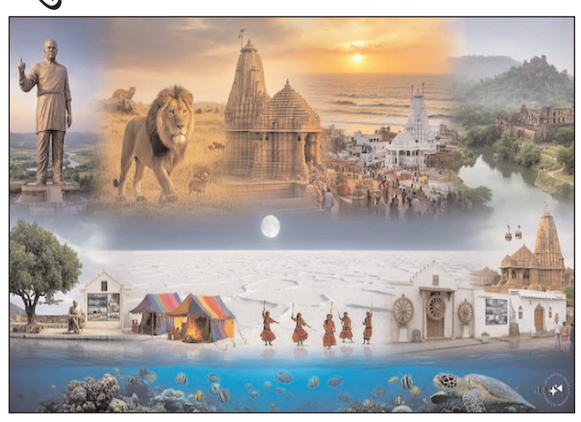
बांस के टुकड़े मिलाएं: अब उबले हुए बांस के टुकड़ों को पैन में डालें. इसमें स्वादानुसार नमक डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें. इसे धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं, ताकि मसालों का स्वाद बांस में अच्छी तरह मिल जाए.

सिरका डालकर तैयार करें अचार: अब गैस बंद कर दें और मिश्रण को ठंडा होने दें. इसके बाद इसमें सिरका डालकर अच्छी तरह मिला लें. इससे अचार में हल्का खट्टापन आएगा और इसका स्वाद भी बढ़ जाएगा.

तैयार अचार को पूरी तरह ठंडा होने के बाद साफ और सूखे कांच के जार में भर दें. इसे फ्रिज में रखें और हमेशा साफ व सूखे चम्मच से ही निकालें. बांस का अचार बनाते समय सबसे जरूरी है कि आप खाने योग्य किस्म की कोमल बांस की कलियों का ही इस्तेमाल करें. इन्हें अच्छी तरह साफ करके उबालना न भूलें. अचार में नमी नहीं रहनी चाहिए, इसलिए बांस के टुकड़ों को उबालने के बाद अच्छी तरह पानी निकालकर ठंडा करें।



स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से रण ऑफ कच्छ तक, गुजरात की ये जगहें हैं पर्यटकों की पहली पसंद



गुजरात अपनी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है. यहां स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, गिर नेशनल पार्क, सोमनाथ मंदिर, द्वारका, कच्छ का रण, साबरमती आश्रम और सापूतारा प्रमुख पर्यटन स्थल हैं, तो अगर आप वहां घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इन जगहों पर घूमने जरूर जाइए.

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गुजरात अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है. यहां ऐसे कई पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं. अगर आप गुजरात घूमने की योजना बना रहे हैं, तो इन जगहों को अपनी सूची में जरूर शामिल करें.

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

नर्मदा जिले में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है. यह सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है. 182 मीटर ऊंची इस प्रतिमा के साथ व्यूइंग गैलरी, वैली ऑफ फ्लावर्स और लेजर शो भी प्रमुख आकर्षण हैं.

गिर नेशनल पार्क

गिर राष्ट्रीय उद्यान एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास माना जाता है. वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है. यहां शेरों के अलावा तेंदुआ, हिरण, नीलगाय और कई पक्षियों की प्रजातियां भी देखी जा सकती हैं.

अरब सागर के किनारे स्थित सोमनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. इसका धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व बेहद विशेष है. शाम की आरती और साउंड एंड लाइट शो श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं.

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी के रूप में प्रसिद्ध द्वारका हिंदुओं के चार धामों में से एक है. यहां स्थित द्वारकाधीश मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है. गोमती घाट और बेट द्वारका भी घूमने योग्य स्थल हैं.

कच्छ का रण

सफेद नमक से ढका रण ऑफ कच्छ गुजरात की सबसे अनोखी जगहों में से एक है. सर्दियों में आयोजित होने वाला रण उत्सव यहां की संस्कृति, लोक संगीत और हस्तशिल्प को करीब से देखने का अवसर देता है. पूर्णिमा की रात यहां का दृश्य बेहद मनमोहक होता है.

साबरमती आश्रम

अहमदाबाद में स्थित साबरमती आश्रम महात्मा गांधी से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थान है. स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास को समझने के लिए यह एक बेहतरीन जगह मानी जाती है.

सापूतारा

गुजरात का एकमात्र प्रमुख हिल स्टेशन सापूतारा अपनी हरियाली, झील और पहाड़ी दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है. गर्मियों में यह पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है.

चम्पानेर-पावागढ़

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त यह क्षेत्र ऐतिहासिक किलों, मस्जिदों और मंदिरों के लिए जाना जाता है. इतिहास प्रेमियों के लिए यह एक शानदार गंतव्य है।

समय की कमी से बार-बार स्किप करती हैं कंडीशनर, ट्राई करें ये स्मार्ट हैक, 2 मिनट में मिलेंगे सिल्की-स्मूद हेयर



समय की कमी होने पर बालों में एक साथ शैंपू और कंडिशनर लगाने का एक आसान हैक है. जड़ों में शैंपू और नीचे के बालों में कंडिशनर लगाकर कुछ देर बाद धो लें. इससे समय और पानी की बचत होती है और बाल सिल्की व स्मूद बन जाते हैं. आपको बार-बार कंडीशनर स्किप नहीं करना पड़ता.

कई बार ऐसा होता है कि ऑफिस गोइंग महिलाओं के पास शैंपू और कंडीशनर दोनों लगाने का समय नहीं होता. ऐसे में वे कंडीशनर ही स्किप करती हैं क्योंकि गंदे बालों के साथ घर से बाहर नहीं जाया जा सकता. पर एक हैक है जिसकी मदद से वे एक ही समय में दोनों काम कर सकती हैं और इसमें समय और पानी दोनों की बचत होती है. खासकर जब देर हो रही हो तो यह तरीका इस्तेमाल किया जा सकता है. जानते हैं कैसे कम समय में बालों में शैंपू और कंडीशनर दोनों लगाकर बालों को सिल्की स्मूद किया जा सकता है.

ऐसे बचाएं टाइम

जब आपके पास समय न हो या आम दिनों में भी आप यह हैक अपना सकती हैं. इसके लिए पहले बालों को गीला करें और हाथों में जरूरत भर का शैंपू लेकर केवल जड़ों में लगा लें और 30 से 40 सेकेंड के लिए हल्के हाथों से मसाज कर लें. आपको बालों की लंबाई पर शैंपू लगाने की जरूरत नहीं है. इसके बाद कंडीशनर या हेयर मास्क लें और उसे केवल लटों पर लगा दें. जड़ों में वैसे भी कंडीशनर नहीं लगाया जाता है. इस तरह जड़ों से कुछ ऊपर तक शैंपू और उसके नीचे कंडीशनर लगाकर कुल 1 से 2 मिनट छोड़ दें।

शरीर के त्वचा पर दिख रहे लाल चकत्ते, होती है खुजली, हो सकते हैं सोरायसिस के लक्षण, एक्सपर्ट ने बताये बचाव के उपाय



त्वचा से संबंधित विभिन्न प्रकार के फंगस देखने को मिलते हैं. लेकिन इसमें सबसे ज्यादा खतरनाक सोरायसिस नाम की बीमारी मानी जाती है. जो की धीरे-धीरे त्वचा में लाल तरह के चकते उत्पन्न करते हुए त्वचा को भी नुकसान पहुंचती है. साथ ही इसमें विभिन्न प्रकार के ऐसे संक्रमण होते हैं. जो की अन्य बीमारियों को भी उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा जाते हैं. इसलिए समय रहते ही इसका उपचार करना काफी आवश्यक है. डॉक्टर अमरजीत सिंह वर्मा ने तुरंत त्वचा रोग विशेषज्ञ से इलाज कराने और लापरवाही न बरतने की सलाह दी है.

वर्तमान समय में विभिन्न प्रकार की बीमारियां तेजी से उभरते हुए नजर आ रही है. इसी कड़ी में अगर आपके भी चेहरे पर या शरीर के किसी भी भाग में चकते बनते हुए आ रहे हैं. अभी तक इनका समाधान नहीं हो पाया है. ऐसे सभी लोग बिना देरी करें जल्द ही त्वचा रोग विशेषज्ञ से अपना ट्रीटमेंट कराकर इसका समाधान कराए. क्योंकि यही दाग आपके लिए जानलेवा भी साबित हो सकते हैं.

त्वचा को पहुंचता है बहुत नुकसान

डॉक्टर अमरजीत सिंह वर्मा ने लोकल 18 से खास बातचीत करते हुए त्वचा से संबंधित विभिन्न प्रकार के फंगस देखने को मिलते हैं. लेकिन इसमें सबसे ज्यादा खतरनाक सोरायसिस नाम की बीमारी मानी जाती है. जो की धीरे-धीरे त्वचा में लाल तरह के चकते उत्पन्न करते हुए त्वचा को भी नुकसान पहुंचती है. साथ ही इसमें विभिन्न प्रकार के ऐसे संक्रमण होते हैं. जो की अन्य बीमारियों को भी उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा जाते हैं. इसलिए समय रहते ही इसका उपचार करना काफी आवश्यक है. उन्होंने बताया कि इसका उपचार भी काफी लंबे समय चलता है. ऐसे में अगर आप में भी लाल चकते के संकेत मिल रहे हैं. तो तुरंत त्वचा रोग विशेषज्ञ को दिखाएं. क्योंकि इसमें लापरवाही करने के कारण यह जानलेवा भी बन सकती है.

उन्होंने बताया कि सोरायसिस बीमारी की अगर बात की जाए तो इसके कारण लोगों में डिप्रेशन की संभावनाएं काफी हद तक बढ़ जाती. इसके साथ ही इसमें डायरेक्ट नहीं लेकिन इनडायरेक्ट इस तरह के सिम्टम्स भी पाए गए हैं जो की हार्ट अटैक की संभावनाओं को भी प्रबल करते हैं. इसके बारे में समय-समय पर हुए शोध के बाद से पता चलता है अभी मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट द्वारा भी शोध किया गया. तो उसमें भी इसके जो सिम्टम्स से वह काफी खतरनाक पाए गए.

त्वचा पर आते लाल चकत्ते

सोरायसिस बीमारी के लक्षण की बात की जाए तो त्वचा पर लाल रंग के मोती हो जाते हैं. जिसकी पश्चात धीरे-धीरे यह सफेद या चांदी जैसी पपड़ी में परिवर्तन होने लगते हैं. इससे त्वचा में खुजली और जलन उत्पन्न हो जाती है. जिसमें कभी-कभी त्वचा का फटना और उसमें से खून निकलने की संभावनाएं भी देखने को मिलती है. इसी के साथ ही नाखूनों में भी गड्ढे पड़ने या उनका मोटा होना भी इसका एक प्रमुख कारण माना जाता है।

गुलाब जामुन और काला जामुन में क्या है अंतर? रंग, स्वाद और बनावट से समझें फर्क



गुलाब जामुन खाने के बाद खाने के लिए पसंद किए जाने वाला मिठाई है. बर्थ डे पार्टी से लेकर शादी तक गुलाब जामुन खानपान का अहम हिस्सा होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं, गुलाब जामुन और काला जामुन एक तरह सिर्फ दिखते हैं, लेकिन इन दोनों में कई अंतर होते हैं. यहां समझें गुलाब जामुन और काला जामुन में क्या फर्क होता है.

योहार हो, शादी हो या कोई खास मौका, गुलाब जामुन हर जगह लोगों की पहली पसंद रहता है. लेकिन क्या आपको पता है गुलाब जामुन और काला जामुन में अंतर क्या होता है? वैसे तो देखने में ये दोनों मिठाइयां एक जैसी लगती हैं, क्योंकि इन्हें बनाने में खोया, दूध और चीनी की चाशनी जैसी चीजों का ही इस्तेमाल होता है.

लेकिन जब रंग, स्वाद और बनावट में काफी अंतर होता है. इनके पकाने का तरीका भी थोड़ा अलग होता है. अगर आप भी इन दोनों मिठाइयों के शौकीन हैं, तो आइए जानते हैं कि गुलाब जामुन और काला जामुन में क्या अंतर होता है.

गुलाब जामुन क्या होता है?

गुलाब जामुन भारत की पारंपरिक मिठाइयों में से एक है. इसे मुख्य रूप से खोया, मिल्क पाउडर या दोनों को मिलाकर बनाया जाता है. इसमें आटे या किसी दूसरे बाइंडिंग इंग्रीडिएंट का इस्तेमाल भी किया जाता है. इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर घी या तेल में सुनहरा भूरा होने तक तला जाता है. इसके बाद इन्हें चीनी की चाशनी में डुबोया जाता है. इसका स्वाद मीठा और दूधिया होता है, जबकि बनावट काफी नरम और स्पंजी होती है।

दिवाली पार्टी में दिखना है स्पेशल? शरवरी वाघ की तरह अपनी मां की पुरानी साड़ी को करें ऐसे स्टाइल

दिवाली पार्टी में सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं? इस बार नया लहंगा खरीदने के बजाय बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ से सीखें कि कैसे अपनी मां की पुरानी पटोला साड़ी को एक मॉडर्न और ग्लैमरस ट्विस्ट देकर महफिल लूटी जा सकती है.

दिवाली का नाम सुनते ही सबसे पहले जिस बात की टेंशन होने लगती है, वो है— 'यार इस बार पार्टी में क्या पहनूं?' नए कपड़े खरीदने के लिए बाजारों और ऑनलाइन ऐप्स के चक्कर काट-काटकर हम थक जाते हैं. लेकिन अगर इस बार आप कुछ ऐसा पहनना चाहती हैं जिसे देखकर हर कोई बस आपको देखता रह जाए, तो बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ का यह लेटेस्ट लुक आपके लिए एकदम परफेक?ट इंस्पिरेशन है. हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के प्रमोशन के दौरान शरवरी ने कुछ ऐसा किया, जिसने फैशन लवर्स का दिल जीत लिया



शरवरी ने इस बार कोई नया या भारी-भरकम डिजाइनर लहंगा नहीं खरीदा, बल्कि सीधा अपनी मां की अलमारी पर हाथ साफ किया! जी हां, उन्होंने अपनी मां की पुरानी गुलाबी पटोला साड़ी निकाली और उसे ऐसे धांसू अंदाज में कैरी किया कि अच्छे-अच्छे डिजाइनर मात खा जाएं. मैजेंटा और डार्क पिंक शेड की इस पारंपरिक इकत प्रिंट वाली साड़ी से उनकी मां की बहुत सारी पुरानी यादें जुड़ी थीं. इस पुरानी याद को नया और ट्रेंडी बनाने का जिम्मा स्टाइलिस्ट मेगन कॉन्सेसियो और 'इर्थ' ब्रांड ने उठाया

अब आप सोच रही होंगी कि पुरानी साड़ी को नया कैसे बनाया जाए? तो भई, इसमें थोड़ा सा मॉडर्न तड़का लगाया गया. साड़ी के पुराने और खूबसूरत डिजाइन को वैसे ही रखा गया, बस इसके बॉर्डर पर सुनहरी हैवी कढ़ाई, बारीक काम और छोटे-छोटे मिरर वर्क जोड़े गए. इन छोटे-छोटे बदलावों ने इस पुरानी सी साड़ी को एकदम रॉयल और हैवी फेस्टिव लुक दे दिया. यह इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे हम थोड़ी सी क्रिएटिविटी दिखाकर अपनी मां या दादी की पुरानी साड़ियों को नया लुक दे सकती हैं.

इस लुक का सबसे बड़ा गेम-चेंजर बना इसका ब्लाउज! आमतौर पर लोग ऐसी साड़ियों के साथ मैचिंग ब्लाउज ही पहनते हैं, लेकिन शरवरी ने यहां बड़ा ही कूल एक्सपेरिमेंट किया. उन्होंने इस पिंक साड़ी के साथ एकदम कंट्रास्ट में डीप पर्पल कलर का स्ट्रैपलेस कॉर्सेट ब्लाउज पहना. इस कॉर्सेट पर खूबसूरत गोल्डन एम्ब्रॉयडरी, फ्लोरल डिजाइन और मेटैलिक डिटेलिंग की गई थी. इसके अलावा, साड़ी के पल्लू को कमर के चारों ओर लपेटकर जिस अंदाज में ड्रेप किया गया था, उसने इस पूरे ट्रेडिशनल लुक को एकदम मॉडर्न और ग्लैमरस बना दिया.

अपने इस गॉर्जियस लुक को पूरा करने के लिए शरवरी ने बहुत ज्यादा ओवर-ड्रेसिंग नहीं की. उन्होंने गले में एक प्यारा सा चांद के आकार (अर्धचंद्राकार) वाला गोल्ड नेकलेस पहना, साथ में मैचिंग इयररिंग्स, बड़ी सी कॉकटेल रिंग और हाथों में सिंपल गुलाबी चूड़ियां डालीं. बात करें मेकअप की, तो उन्होंने इसे बिल्कुल सटल रखा—हल्का ब्लश, ग्लूट पिंक लिपस्टिक और बालों को बीच की मांग निकालकर एकदम खुला और सीधा रखा।



लुक और बॉडी शेमिंग पर विद्या मालवदे का करारा जवाब,

बोलीं- लिखने वाले की सोच दिखती है



■ मुंबई। अभिनेत्री विद्या मालवदे साइबर अपराध पर आधारित क्लिलर सीरींज का नाम 'स्कैम 2024 – द डिजिटल अरेस्ट स्टोरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स पर होने वाली ट्रोलिंग पर बात की, जिसका सामना खासतौर पर एक्ट्रेसेस को अपने लुक को लेकर करना पड़ता है।

> "अगर कोई मेरे बारे में कुछ लिखता है, तो इस पर उसका नजरिया दिखाता है। वे मेरे बारे में क्या लिखते हैं, यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं।
> - विद्या मालवदे

लिखने वाले के शब्द ही उनकी सोच को दिखाते हैं

आईएएनएस के साथ बातवीच में अभिनेत्री ने बताया कि जब कोई कुछ लिखता है, तो वह उस व्यक्ति के बारे में कम बल्कि उसकी सोच को दिखाता है।

ट्रोलिंग पर कही ये बात

दरअसल, अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल पूछा, "एक्ट्रेसेस को अक्सर उनके लुक, निजी फैसलों या प्रेग्नेंसी के बाद वजन को लेकर ट्रोल किया जाता है। किसी की जिंदगी और बॉडी पर कमेंट करने की इस संस्कृति को आप कैसे देखती हैं?"

इस सवाल पर विद्या मालवदे ने कहा, "मुझे लगता हैं कि लिखने वालों के शब्द ही उनकी सोच को दिखाते हैं। मैं कोशिश करती हूं कि दूसरों की राय से खुद को परिभाषित न होने दूं।"

रूचा चड्ढा के बयान का भी किया जिक्र

विद्या ने कहा, "आखिर में, यह उनकी राय है। सेचिए, ऐसी बातें लिखने वाले व्यक्ति के मन में कितनी नकारात्मकता भरी है और मुझे लगता है कि ऐसे व्यक्ति से दूर ही रहना चाहिए।"

'स्कैम 2024 – द डिजिटल अरेस्ट स्टोरी' से किया डेब्यू

विद्या ने 'स्कैम 2024 - द डिजिटल अरेस्ट स्टोरी' के साथ माइक्रो ड्रामा में डेब्यू किया है। इस सीरीज में संदीप अरोड़ा, प्रियांशी त्रिपाठी, पूजा झा, आयुषी त्यागी, शीतल तेजवानी, अशोक के. झा और योगेश पवार स्टारर यह क्लिलर स्टोरी टीवी ऐप पर स्ट्रीम हो रही है।

कॉकटेल की 'मीरा' ने लिया था 4 साल का ब्रेक, फिर हर रोल में दिखा डायना पेंटी का नया रंग



विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय सिनेमा और फैशन जगत में कुछ ही ऐसी हस्तियां हैं जिन्होंने बिना किसी फिल्मी पृष्ठभूमि के अपनी अलग और मजबूत पहचान बनाई है। 2 नवंबर 1985 को मुंबई में जन्मीं डायना पेंटी उन्हीं चुनिंदा नामों में शामिल हैं। पारसी पिता और कोंकणी ईसाई मां के परिवार में पली-बढ़ीं डायना का बचपन बहुसांस्कृतिक परिवेश में बीता, जिसने उनके व्यक्तित्व को विविधता से समृद्ध किया।

सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई से मास मीडिया (बीएमएम) में स्नातक करने के दौरान, उन्होंने एक 'एक्सीडेंटल मॉडल' के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। वर्ष 2005 में एलीट मॉडल्स इंडिया के साथ पार्ट-टाइम शुरुआत करने वाली डायना ने अपने पहले ही वर्ष में इतालवी डिजाइनरों निकोला ट्रुसार्डी और जियानफ्रेंको फेरे के लिए रैंप वॉक किया और उसके बाद जल्द ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों (विशेषकर पेरिस और न्यूयॉर्क फैशन वीक) पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। यह उनके आत्मविश्वास और प्राकृतिक शालीनता का ही परिणाम था कि वर्ष 2018 में उन्हें विश्व प्रसिद्ध ब्रांड 'एस्टी लॉडर' की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर चुना गया।

फैशन जगत में बुलंदी पर होने के बावजूद, उन्होंने 2012 में होमी अदजानिया की फिल्म 'कॉकटेल' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में 'मीरा साहनी' का उनका शर्मीला, संस्कारी और ठहराव भरा किरदार दर्शकों के दिलों में बस गया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

दिलचस्प बात यह है कि रातों-रात मिली इस सफलता के बाद, डायना ने लगातार फिल्में साइन करने की अंधी दौड़ में शामिल होने के बजाय चार साल का लंबा ब्रेक लिया। इसका कारण उनका यह मानना था कि वे अचानक मिली प्रसिद्धि के लिए तैयार नहीं थीं और खुद को 'गर्ल नेक्स्ट डोर' की स्टीरियोटाइप छवि में सीमित नहीं करना चाहती थीं। वे केवल उन्हीं प्रोजेक्ट्स से जुड़ना चाहती थीं, जिनकी कहानी से वे पूरी तरह जुड़ाव महसूस कर सकें।

उन्होंने सफलता की परिभाषा को केवल हर समय सुर्खियों में रहने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने शांत स्वभाव, धैर्य और चुनिंदा कार्यों से मनोरंजन जगत में एक नया मुकाम हासिल किया है।

'झाड़ फूंक' से फिल्मों में वापसी करेंगी पद्मिनी कोल्हापुरे, बोलीं-खुद भी नहीं देख पाऊंगी ये फिल्म

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे हॉरर फिल्म 'झाड़ फूंक' के साथ अभिनय की दुनिया में वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि जब उन्हें इस फिल्म की कहानी सुनाई गई तो वह इतनी डरावनी लगी कि उन्होंने सोचा कि क्या वह खुद यह फिल्म देख भी पाएंगी या नहीं।

अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत में हॉरर फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, अंधविश्वास को लेकर अपनी सोच और फिल्म की कास्ट के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात की। 'झाड़ फूंक' को अपनी दूसरी हॉरर फिल्म बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'यह मेरी दूसरी हॉरर फिल्म है। मैंने 'गहराई' नाम की एक फिल्म की थी।'

अभिनेत्री ने बताया कि भारत में लोग ऐसी चोजों पर बहुत विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में रहने वाले लोग, 'झाड़ फूंक' बहुत ज्यादा विश्वास करते हैं। हमारे निर्देशक राजन जी ने जिस तरह से यह फिल्म बनाई है, वह काफी काबिले तारीफ है। जब निर्देशक ने इस फिल्म के बारे में मुझे बताया था, तभी मैंने उनसे कहा था कि मुझे नहीं लगता है कि मैं इस फिल्म को देख पाऊंगी।'

एक्ट्रेस ने दिग्गज एक्टर यशपाल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में भी बात की और उनके समर्पण और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। उनका मानना है कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, चाहे एक्टर कितना भी अनुभवी क्यों न हो। पद्मिनी ने कहा कि उन्होंने अपने सह-कलाकारों के साथ काम करते हुए कई चीजें सीखीं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, इंसान हमेशा सीखता है।

जब एक रोल के लिए शाहरुख खान को कटवाने पड़े थे लंबे बाल, दुखी मन से मानी थी शर्त

मुंबई। सिनेमा के इतिहास में कुछ ही ऐसे चेहरे होते हैं, जो पर्दे पर आते ही समय की धारा को मोड़ देते हैं। आज जिसे पूरी दुनिया 'किंग खान' बुलाती है और उनकी हेयरस्टाइल के लाखों दीवाने रहते हैं लेकिन उनके करियर की शुरुआत में एक ऐसा वक्त भी आया था, जब अभिनेता को अपने बालों को कटाना पड़ा था।

यह दौर तब का है जब शाहरुख अभिनय की दुनिया में अपनी जगह बनाने की जद्दोजहद कर रहे थे। आज भले ही लंबे बाल और उनका सिग्नेचर हेयरस्टाइल उनकी पहचान बन चुका हो लेकिन संघर्ष के शुरुआती दिनों में निर्माताओं और निर्देशकों की शर्तों के आगे उन्हें अपनी पसंद से समझौता करना पड़ा था। आखिर क्या थी वो मजबूरी और किस फिल्म या प्रोजेक्ट के दौरान शाहरुख को यह कड़ा फैसला लेना पड़ा था? आइए जानते हैं इस दिलचस्प किस्से के बारे में...

2 नवंबर 1965 को नई दिल्ली में एक मुस्लिम परिवार में जन्मे अभिनेता शाहरुख खान को रोमांस का किंग कहा जाता है लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि 90 के दशक में जब उन्होंने फिल्मों में कदम रखा था, तो किसी भी बड़े हीरो ने विलेन का रोल करने से परहेज किया था। उस दौर में शाहरुख ने बाजीगर, डर और अंजाम जैसी फिल्मों में निगेटिव रोल से दर्शकों के मन में खौफ पैदा किया और फिर हीरो बनकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

शाहरुख खान ने हंसराज कॉलेज से बीए इकोनॉमिक्स किया था। इस दौरान वे दिल्ली के 'थिएटर एक्शन ग्रुप' से जुड़े और प्रसिद्ध थिएटर निर्देशक बैरी जॉन के मार्गदर्शन में अभिनय सीखा। इसके बाद उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया से मास कम्युनिकेशन में पीजी में दाखिला लिया था लेकिन अभिनय करने के जुनून के चलते अभिनेता ने अपना पीजी बीच में छोड़ दिया था।

बताया जाता है कि माता-पिता के देहांत के बाद बड़ा मुकाम हासिल करने की इच्छा लेकर शाहरुख साल 1991 में दिल्ली छोड़कर मुंबई आ गए थे।

जूही चावला ने ऐश्वर्या राय बच्चन को जन्मदिन पर दी बधाई, खूबसूरती और शालीनता की तारीफ की

विश्व केसरी ■



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी साथी अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके लिए एक खास संदेश साझा किया। जूही ने ऐश्वर्या की खूबसूरती, शालीनता और उनके व्यक्तित्व की जमकर तारीफ की।

जूही चावला ने सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो ऐश्वर्या! इतनी शालीनता, खूबसूरती और गरिमा... और किसी तरह आप हर चीज को बेहद सहज बना देती हैं। आपके आने वाले साल के लिए ढेर सारी खुशियों और खूबसूरत पलों की कामना करती हूं।'

गौरतलब है कि जूही चावला और ऐश्वर्या राय ने अब तक किसी भी फिल्म में एक साथ स्क्रीन साझा नहीं की है। वहीं, सोशल मीडिया पर प्रशंसक ऐश्वर्या की निजी जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट को लेकर उत्साहित रहते हैं।

24 अक्टूबर को ऐश्वर्या राय अपने भतीजे शिवांश राय का जन्मदिन मनाती नजर आई थीं। इस खास मौके पर उनके साथ बेटी आराध्या बच्चन और राय परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। ऐश्वर्या की भाभी श्रीमा राय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इस पारिवारिक समारोह की कुछ तस्वीरें साझा की थीं।

इन तस्वीरों में ऐश्वर्या राय, आराध्या बच्चन, श्रीमा राय, ऐश्वर्या के भाई आदित्य राय और उनकी मां वृंदा राय नजर आए थे। तस्वीर में पूरा परिवार जन्मदिन मना रहे शिवांश के आसपास इकट्ठा दिखाई दिया। टेबल पर केक और फूलों का गुलदस्ता भी रखा हुआ था।

तस्वीरें साझा करते हुए श्रीमा ने लिखा, 'मेरे प्यारे शिवांश को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ऐसे ही और शरारतों, प्रकृति के साथ ज्यादा समय बिताने, हंसी-खुशी और आशीर्वाद के लिए। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' ऐश्वर्या राय अपनी मां वृंदा राय और भाई आदित्य राय के साथ खास रिश्ता साझा करती हैं।

ऐश्वर्या के फिल्मी सफर की बात करें तो उन्होंने 1994 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद 1997 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने मणिरत्नम की तमिल फिल्म 'इरुवर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसी साल उन्होंने बॉबी देओल के साथ फिल्म 'और प्यार हो गया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

रंगस्थलम के बाद फिर मचेगा धमाल, 'आरसी17' के मुहूर्त में पहुंची साउथ फिल्म इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियां



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता राम चरण ने निर्देशक सुकुमार के साथ हैदराबाद में एक भव्य पूजा सेरेमनी के साथ फिल्म 'आरसी17' की शूटिंग शुरू कर दी है। इसकी जानकारी रविवार को मेकर्स ने दी।

मैथ्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुहूर्त सेरेमनी का एक वीडियो शेयर किया है। क्लिप की शुरुआत में राम चरण वेन्यू पर पहुंचते और टीम के मेंबर्स से मिलते नजर आए। इसके बाद एक्टर राम चरण ने दीप प्रज्वलित किया। मेकर्स ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मेगा पावर स्टार राम चरण 'आरसी17' की पूजा सेरेमनी में पहुंचे।'

एक अन्य पोस्ट में मेगास्टार चिरंजीवी मुहूर्त क्लैप देते और पूजा सेरेमनी के दौरान नारियल फोड़ने की शुभ रस्म निभाते नजर आए। वीडियो में राम चरण अपने पिता के पैर छूते भी दिखे, जिसके बाद पिता ने पुत्र को गले लगाया।

मेकर्स ने इस खास पल को शेयर करते हुए लिखा, ''आरसी17' का सफर मेगा क्लैप के साथ शुरू होता है। मेगास्टार चिरंजीवी गारू ने क्लैपबोर्ड बजाया और 'आरसी17' की पूरी टीम को आशीर्वाद दिया।'

'आरसी17' के मुहूर्त में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी-बड़ी हस्तियां नजर आईं, जिनमें रवि शंकर, नवीन येरनेनी, नागा वामसी, राहुल संकृत्यायन, गोपीचंद मलिनेनी, मारुति, बुची बाबू सना, वामसी नंदीपती और हरीश शंकर समेत अन्य लोग शामिल थे।

टी-सीरीज फिल्म्स के तहत भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत इस ड्रामा की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर के तौर पर रत्नावेलु शामिल हैं, जबकि अनिरुद्ध रविचंदर को म्यूजिक देने के लिए लिया गया है। फिलहाल, इस अनटाइटल्ड ड्रामा की बाकी कास्ट और क्रू को सीक्रेट रखा गया है।

गौरतलब है कि अभिनेता राम चरण ने सोशल मीडिया के जरिए 'आरसी17' का ऐलान किया था। यह राम चरण और फिल्ममेकर की 2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'रंगस्थलम' के बाद दूसरी प्रोफेशनल कोलैबोरेशन होगी, जिसमें फीमेल लीड के तौर पर सामंथा रुथ प्रभु भी थीं। 'रंगस्थलम' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था, इसलिए 'आरसी17' से उम्मीदें काफी ज्यादा हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक और बेटी मालती के साथ मनाया हैलोवीन, किंग काइली बनीं देसी गर्ल

विश्व केसरी ■



मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ हैलोवीन सेलिब्रेशन गई थीं। इस मौके पर तीनों अलग-अलग अपनाया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने परिवार के साथ एक खास झलक शेयर की, जिसमें वे तीनों अलग-अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। इसमें निक काउबॉय बने, वहीं उनकी बेटी मालती घोस्ट प्रिंसेस के लुक में दिखीं जबकि प्रियंका ने 'किंग काइली' वाला लुक अपनाया।

तस्वीर शेयर करते हुए प्रियंका ने अपने कॉस्ट्यूम को 'अनोखा संगम' बताया और जश्न मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, 'काफी अनोखा संगम, एक काउबॉय, एक घोस्ट प्रिंसेस और किंग काइली ट्रिक ऑर ट्रीटिंग करने गए। जश्न मनाने वाले सभी लोगों को हैप्पी हैलोवीन सीजन आ गया है।'

एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल लाइफ और निक व मालती के साथ खास पलों की झलकियां शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके परिवार के सेलिब्रेशन की एक झलक मिलती है। प्रियंका ने अपनी पोस्ट में हैलोवीन सेलिब्रेशन के साथ-साथ दिवाली के जश्न की झलक भी देखने को मिली, जिसे उन्होंने 'दिवालोवीन' सीजन बताया।

हैलोवीन हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसमें लोग भूतों, चुड़ैलों, वैंपायर या डरावने किरदारों जैसे कपड़े पहनते हैं और मेकअप करते हैं। बच्चे अजीबोगरीब पोशाक पहनकर पड़ोसी के घरों में जाते हैं और 'ट्रिक-ऑर-ट्रीट' कहते हैं, जिसके बदले उन्हें चॉकलेट या कैंडी मिलती है।

इसकी शुरुआत लगभग 2000 साल पहले प्राचीन सेल्टिक त्योहार 'समहेन' से हुई थी। आयरलैंड और स्कॉटलैंड में लोग यह त्योहार फसल कटाई के मौसम के अंत और सर्दियों की शुरुआत के प्रतीक के रूप में मनाते थे। सेल्टिक लोगों का मानना था कि 31 अक्टूबर की रात को जीवितों और मृतकों की दुनिया के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

भारत की कूटनीति में द्विपक्षीय रिश्तों से लेकर वैश्विक मंचों तक हलचल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अक्टूबर का आखिरी सप्ताह भारत की विदेश नीति के लिहाज से काफी व्यस्त, सफल और महत्वपूर्ण रहा। 25 से 31 अक्टूबर के बीच भारत ने यूरोप, पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। इस दौरान कई उच्चस्तरीय यात्राएं, द्विपक्षीय वार्ताएं और बहुपक्षीय बैठकें हुईं।

सप्ताह की खास बात यह रही कि भारत ने एक तरफ यूरोपीय देशों के साथ व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाया, तो दूसरी तरफ अमेरिका और कनाडा के साथ संबंधों में निरंतर संवाद बनाए रखे। सप्ताह के आखिरी दो दिनों में अटलांटा में हुई जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक ने इन कूटनीतिक प्रयासों को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया।

30 और 31 अक्टूबर को अमेरिका के



अटलांटा में आयोजित जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय आयोजन रही। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक संघर्षों, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दे उठाए।

जयशंकर ने स्पष्ट संदेश दिया कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का समाधान सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि कूटनीति के जरिए तलाशा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्धों का असर केवल संघर्षरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खाद्य, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से पूरी दुनिया, खासकर ग्लोबल साउथ, प्रभावित होता है।

इस दौरान जयशंकर ने क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लिया। अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक समन्वय पर चर्चा हुई। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसके जरिए प्रस्तावित क्वाड नेताओं के अगले शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि तैयार करने का अवसर मिला।

अटलांटा पहुंचने से पहले जयशंकर की कूटनीतिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भारत के प्रमुख साझेदारों के साथ संपर्क बनाए रखना रहा। 30 अक्टूबर को उन्होंने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास से मुलाकात की। बातचीत में यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई।

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ मुलाकात में दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा की गई। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और अनीता आनंद के साथ भी बातचीत की।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या घटी, 13.5 फीसदी गिरावट दर्जः डीएचएस डेटा

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वहां रह रहे सक्रिय भारतीय छात्रों की संख्या एक साल में लगभग 13.5 प्रतिशत घटकर 3,16,893 रह गई है। इसमें सबसे बड़ी गिरावट 'मास्टर्स' (स्नातकोत्तर) स्तर पर देखी गई है, हालांकि इसके बावजूद भारत अभी भी अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है।

स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर इंफॉर्मेशन सिस्टम (एसईवीआईएस) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2026 में भारत से सक्रिय छात्रों की संख्या 316,893 थी, जो अक्टूबर 2025 में 366,258 थी यानी इसमें 49,365 की कमी आई है।

यह गिरावट कुल गिरावट के मुकाबले कहीं अधिक थी। एसईवीआईएस में कुल सक्रिय अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या 1,283,240 से घटकर 1,192,572 हो गई, जो लगभग 7.1 प्रतिशत की कमी है।

चीन से आने वाले छात्रों की संख्या में भी कमी आई है। ये दूसरा सबसे बड़ा समूह है, और इसमें लगभग 10.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ये 245,038 से घटकर 220,157 रह गईं।

सक्रिय अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारत की हिस्सेदारी लगभग 28.5 प्रतिशत से घटकर लगभग 26.6 प्रतिशत हो गई है।

भारतीय छात्रों में यह गिरावट मुख्य रूप से मास्टर्स (स्नातकोत्तर) प्रोग्राम में देखी गई, जहां भारतीय छात्रों का सबसे बड़ा हिस्सा नामांकित होता है। मास्टर्स प्रोग्राम में भारतीय छात्रों की संख्या 292,929 से घटकर 234,034 रह गई, जो लगभग 20 प्रतिशत की कमी है।

इसके विपरीत, डॉक्टोरल (पीएचडी) स्तर पर नामांकन में वृद्धि हुई है। डीएचएस के आंकड़ों के अनुसार, डॉक्टोरल स्तर पर भारतीय छात्रों की संख्या 28,609 से बढ़कर 41,729 हो गई।

संक्षिप्त खबर

फ्रांस में नकाबपोश उपद्रवी कौन? शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के बीच 'कैसर्स' पर नजर

विश्व केसरी■



पेरिस। लगातार तीसरे वीकेंड फ्रांस की सड़कों पर महंगाई, आर्थिक असमानता और सरकारी नीतियों के खिलाफ हजारों लोग सड़क पर उतरे। ज्यादातर जगहों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन शनिवार को जैसे ही रैलियां खत्म होने लगीं, पेरिस समेत कई शहरों में नकाब पहने लोगों के समूह पुलिस से भिड़ गए। सवाल उठ रहा है कि आखिर ये नकाबपोश कौन हैं, जो आम लोगों के विरोध प्रदर्शन को हिंसक टकराव में बदल देते हैं? फ्रांस में ऐसे उपद्रवियों के लिए एक खास शब्द इस्तेमाल होता है—'कैसर्स'। फ्रांसीसी भाषा में इसका अर्थ है 'तड़फोड़ करने वाले'। ये कोई एक पंजीकृत संगठन या औपचारिक राजनीतिक दल नहीं हैं, बल्कि अलग-अलग छोटे समूहों में सक्रिय ऐसे लोग हैं, जो प्रदर्शनों के दौरान हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस के साथ संघर्ष में शामिल होते हैं। फ्रांस की राजनीति और विरोध प्रदर्शनों पर नजर रखने वाले विश्लेषकों के मुताबिक, इन समूहों में अक्सर युवा और कट्टर वामपंथी विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ता शामिल होते हैं। इन्हें कई बार अल्ट्रा-लेफ्ट समूहों के रूप में भी पहचाना जाता है। इनकी कोई केंद्रीय सदस्यता सूची या एक साझा नेतृत्व भी सामने नहीं आया है।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के सात मछुआरों को पकड़ा

विश्व केसरी■



रामेश्वरम। श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के रामेश्वरम और थंगाचीमडम के सात मछुआरों को रविवार तड़के हिरासत में ले लिया। मछुआरों पर कार्रवाई की ऐसी घटनाओं के चलते सरकार से हस्तक्षेप करने और मछली पकड़ने से जुड़े इस विवाद का स्थायी समाधान निकालने की मांग बार-बार उठ रही है। तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मछुआरों का ट्रॉलर उस समय नौसेना के कर्मियों की पकड़ में आ गया, जब वे कच्चातिवु द्वीप और उत्तरी मन्नार के बीच मछली पकड़ रहे थे। अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में इन मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया और उनकी नाव के साथ श्रीलंका के एक नौसैनिक बंदरगाह पर ले जाया गया। अधिकारियों ने पकड़े गए मछुआरों की पहचान प्लासियस (41), अलगु पांडी (22), एंटनी पिचाई (33), राबिन (21), नेल्सन (58), अरुलानंदा जेवियर (65) और सहाय आनंद (34) के रूप में की है। सभी सात लोग रामनाथपुरम जिले के मछुआरा समुदायों से हैं। मत्स्य विभाग ने शनिवार को मछली पकड़ने के लिए 398 टोकन जारी किए थे। जो लोग समुद्र में गए थे, उन्हें रविवार शाम तक वापस आना था, लेकिन अपनी यात्रा पूरी करने से पहले ही इन सात लोगों को हिरासत में ले लिया गया। मछुआरों के एक नेता ने कहा, 'हम तटीय जिले के सभी मछुआरा संगठनों की एक बैठक बुलाएंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। यह ताजा घटनाक्रम 3 अक्टूबर को रामेश्वरम के नौ मछुआरों की गिरफ्तारी और उनकी मशीनीकृत नाव (मैकेनाइज्ड बोट) जब्त किए जाने के बाद हुआ है।

भूमध्य सागर में तैनाती, भारतीय युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल पहुंचा ग्रीस

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल भूमध्य सागर में अपनी तैनाती के दौरान 31 अक्टूबर को ग्रीस के सूदा बे बंदरगाह पहुंचा है। इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय नौसेना और ग्रीस की नौसेना के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूत करना है। साथ ही दोनों देशों के नौसैनिक कर्मियों के बीच इस दौरान पेशेवर संबंधों को बढ़ावा दिया जाएगा।

ग्रीस के बंदरगाह में पड़ाव के दौरान आईएनएस त्रिशूल के चालक दल के सदस्य ग्रीस की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और एथेंस स्थित भारतीय दूतावास के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच पेशेवर चर्चाएं होंगी। दोनों देशों के नौसैनिक एक-दूसरे के युद्धपोतों का दौरा करेंगे। यहां आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए भी आपसी समझ बढ़ाने के अवसर भी मिलेंगे।

इस यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना के जवान 'सूदा बे' स्थित नौसैनिक सहायता केंद्र (एनएसए) और नाटो के समुद्री अवरोधन अभियान प्रशिक्षण केंद्र (एनएमआईओटीसी) की सुविधाओं से भी परिचित होंगे। इससे उन्हें वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण गतिविधियों को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

आईएनएस त्रिशूल के चालक दल के सदस्य 'सूदा बे' युद्ध समाधि स्थल पर पहुंचकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। इसके अलावा, इस बंदरगाह पर पड़ाव के दौरान युद्धपोत को आम लोगों के देखने के लिए भी खोला जाएगा। भारतीय नौसेना के इस दौरे से भारत और ग्रीस की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। साथ ही, दोनों देशों के नौसैनिकों के बीच आपसी संपर्क और पेशेवर संबंधों को और आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि बीते दिनों आईएनएस त्रिशूल ब्रिटेन के समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत के प्रतीक के रूप में मौजूद रहा था।

तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर स्पेन जाएंगे एमओएस पबित्रा मार्गेरिटा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर 3 नवंबर को स्पेन जाएंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

इसमें बताया गया कि अपनी यात्रा के दौरान, राज्य मंत्री स्पेन द्वारा आयोजित 'इबेरो-अमेरिकन कॉन्फ्रेंस' के 30वें शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। भारत इस सम्मेलन में 'एसोसिएट ऑब्जर्वर' (सहयोगी पर्यवेक्षक) के रूप में शामिल हो रहा है।

वर्तमान में इस सम्मेलन में 22 सदस्य देश (लैटिन अमेरिका से 19 और यूरोप से 3—स्पेन, पुर्तगाल और अंडोरा), 12 एसोसिएट ऑब्जर्वर और 20 कंसल्टेटिव ऑब्जर्वर (परामर्शदाता पर्यवेक्षक) शामिल हैं। राज्य मंत्री की यह यात्रा 'भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संयुक्त वर्ष' के तहत चल रहे आयोजनों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगी। शिखर सम्मेलन के दौरान, वे अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और मैड्रिड में प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे।

भारत और स्पेन के बीच राजनयिक रिश्ते दशकों पुराने हैं। 1956 में ये स्थापित हुए थे। 2026 में 70 साल पूरे हुए हैं। इसी उपलक्ष्य में ही 2026 को भारत और स्पेन ने संयुक्त रूप से 'संस्कृति, पर्यटन और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का वर्ष' घोषित किया था।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल होने के लिए स्पेनिश राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज नई दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की थी। द्विपक्षीय बैठक में इंडिया-स्पेन दोस्ती को बढ़ावा देने के तरीकों पर खासकर डिफेंस, सिक्योरिटी, टेक्नोलॉजी और दूसरे क्षेत्रों को लेकर चर्चा हुई थी।

कन्नड़ राज्योत्सव पर अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

विश्व केसरी■



बेंगलुरु। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कन्नड़ राज्योत्सव के मौके पर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से बेंगलुरु और मुंबई को जोड़ने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

केंद्रीय रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, केंद्रीय राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या, पी.सी. मोहन और सी.एन. मंजूनाथ और भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया और जगेश उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों का अभिवादन किया। मीडिया से बात करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कन्नड़ राज्योत्सव पर सेवा के शुभारंभ पर कर्नाटक और बेंगलुरु के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'कन्नड़ राज्योत्सव के मौके पर बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा शुरू की जा रही है। यह एक बहुत अच्छी ट्रेन है और टेक्नोलॉजी की राजधानी बेंगलुरु को देश की वित्तीय राजधानी मुंबई से जोड़ेगी। यह तीसरी वंदे भारत स्लीपर सेवा होगी।'

उन्होंने कहा कि ट्रेन के डिजाइन के दौरान पैसेंजर की सुविधा और सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए कई नए फीचर्स शामिल किए गए हैं। लोकोमोटिव पायलटों के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं जबकि बर्थ पर चढ़ना आसान बनाने के लिए एक्स्ट्रा फीचर्स भी जोड़े गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांग लोगों के लिए भी सुविधाएं शामिल की गई हैं।

केंद्रीय रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने वैष्णव को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि प्रोजेक्ट्स की नींव और उनका उद्घाटन एक ही सरकार करे, पीएम मोदी की नीतियों के मुताबिक है। उन्होंने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार के तहत उत्तरी कर्नाटक और मध्य और दक्षिणी इलाकों में रेलवे कनेक्टिविटी पर काफी ध्यान दिया गया है।

बिहार के दूध, तरकारी और मछली को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाएंगे : सीएम सम्राट चौधरी

विश्व केसरी■



पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि राज्य के दूध, तरकारी और मछली को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, प्रसंस्करण और विपणन व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों और पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने तथा उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना स्थित कॉम्फेड में एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने 5,832 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से 1,06,063 दुग्ध उत्पादक किसानों के बैंक खातों में 68.51 करोड़ रुपये की राशि का प्रत्यक्ष अंतरण किया। यह भुगतान 1.46 करोड़ लीटर से अधिक दूध की आपूर्ति के एवज में किया गया है। उन्होंने नव-निर्मित कॉल सेंटर 'सुधा संपर्क' का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादकों को बिचौलियों से मुक्त कर पारदर्शी तरीके से सीधे बैंक खातों में भुगतान सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण पहल है। किसानों को यूनिक फार्मर आईडी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे दूध की गुणवत्ता, फैट और एसएनएफ की मात्रा तथा भुगतान की डिजिटल निगरानी संभव होगी। उन्होंने कहा कि बिहार की पहचान बन चुका सुधा ब्रांड अब राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान स्थापित करेगा। असम के तेजपुर में 20 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता की इकाई शुरू हो चुकी है। असम में 50 हजार लीटर और कोलकाता में 10 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता की इकाई स्थापित करने की योजना है।

उन्होंने बताया कि राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति गठित करने का लक्ष्य है।

गृह मंत्री अमित शाह का राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला, 1984 के सिख विरोधी दंगों की दिलाई याद

विश्व केसरी■



चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति के कारण हजारों सिखों की निर्मम हत्या हुई थी और आज राहुल गांधी उसी तारीख को दिल्ली में बड़ी रैली आयोजित कर दंगा पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़क रहे हैं।

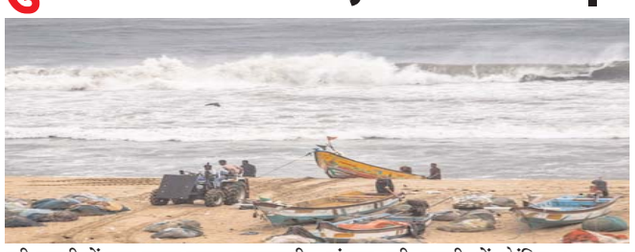
चंडीगढ़ में तिरंगा पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 1 नवंबर 1984 को कांग्रेस पार्टी की ओर से भड़काए गए दंगों के दौरान दिल्ली में हजारों सिखों की बेरहमी से हत्या की गई थी। हजारों लोगों को जिंदा जला दिया गया। अनेक सिखों को अपने घर छोड़कर भागना पड़ा। कई बच्चे अनाथ हो गए, महिलाओं ने अपने पति खो दिए और हजारों परिवारों के घर तबाह हो गए।

उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उनका वह बयान आज भी याद है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। शाह ने कहा कि हजारों सिखों के नरसंहार को इस तरह बयान करने का साहस केवल कांग्रेस के नेता ही कर सकते थे। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद दंगों से जुड़े मामलों को दोबारा खोला गया। पीड़ितों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को जेल के पीछे पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने राजनीतिक पार्टी की ओर से इस तरह प्रायोजित दंगे पहले कभी नहीं देखे थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी की दिल्ली में आयोजित रैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा था कि राहुल गांधी उस समय छोटे थे और शायद उन्होंने इतिहास नहीं पढ़ा होगा, इसलिए उन्हें 1984 के दंगों की तारीखों की जानकारी नहीं होगी।

बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव चक्रवात 'मुरासु' में परिवर्तित, खतरा बढ़ा

विश्व केसरी■



अमरावती। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को आंध्र प्रदेश और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु के तटों के लिए चक्रवात की चेतावनी जारी की है। इसके पीछे की वजह बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होना बताई गई है।

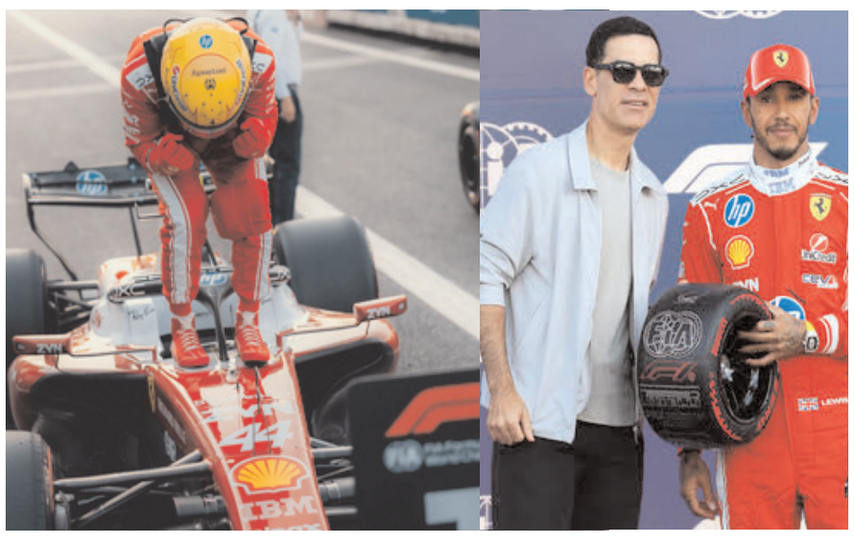
इस चक्रवात को 'मुरासु' नाम दिया गया है, और इसके गंभीर चक्रवात में परिवर्तित होकर 2-3 नवंबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है।

आईएमडी ने रविवार दोपहर एक बुलेटिन में बताया कि दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में परिवर्तित हो गया है।

पिछले छह घंटों में गहरा निम्न दबाव 23 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में परिवर्तित हो गया।

रविवार को सुबह 11:30 बजे (भारतीय समयानुसार) यह दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में केंद्रित था। यह चेन्नई (तमिलनाडु) से लगभग 560 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 660 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) से 630 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, मछलीपटनम (आंध्र प्रदेश) से 640 किमी दक्षिण-पूर्व और ओंगोल (आंध्र प्रदेश) से 680 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

‘मैं बहुत खुश हूं, मेरे पास शब्द नहीं हैं’, मैक्सिकन जीपी में पोल पोजीशन हासिल करने के बाद बोले हैमिल्टन



विश्व केसरी ■

मेक्सिको सिटी। लुईस हैमिल्टन मेक्सिको ग्रां प्री में फेरारी के लिए अपनी पहली पोल पोजीशन हासिल करने के बाद बेहद खुश नजर आए। सात बार के विश्व चैंपियन ने पोल पोजीशन के लिए अपने लंबे इंतजार को खत्म किया। इससे पहले, उन्होंने 2023 हंगेरियन ग्रां प्री में क्वालीफाइंग टाइमशीट में टॉप किया था।

41 वर्षीय हैमिल्टन ने अपने पूर्व साथी और मर्सिडीज ड्राइवर जॉर्ज रसेल को पीछे छोड़ा, जबकि फेरारी में उनके मौजूदा साथी चार्ल्स लेक्लेर ‘ऑटोड्रोमो हर्मनोस रोड्रिगेज’ में क्वालीफाइंग में तीसरे स्थान पर रहे।अपने करियर की 105वीं पोल पोजीशन हासिल करने के बाद ब्रिटिश ड्राइवर के पास अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं थे।

सेशन के तुरंत बाद उन्होंने कहा, ‘वाह! बहुत बढ़िया लगा। बहुत अच्छा लग रहा है। मैं बहुत खुश हूं। सच कहूं तो, मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह वीकेंड वाकई बहुत मुश्किल और चुनौतीपूर्ण रहा। जाहिर है कि एफपी1 में हमने ‘रेक’ (कार का एक हिस्सा) का इस्तेमाल किया था, और फिर कल इंजन से जुड़ी समस्या आ गई, जिसकी वजह से हम काफी पीछे रह गए। मुझे ‘लॉन्ग रन’ करने का मौका नहीं मिला। मगर हमने पूरे वीकेंड में कार के सेटअप पर बहुत अच्छा काम किया है।‘

उन्होंने कहा, ‘हमने काफी मेहनत की है और पिछली रेस से बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, हम सभी के बीच मुकाबला बहुत करीबी है। उदाहरण के लिए, क्यू2 में मुझे शुरुआत में अपना लैप पूरा करने का मौका नहीं मिला। मुझे लगता है कि बाकी ड्राइवरों के पास शुरुआत के लिए नए टायर थे।‘

हैमिल्टन ने 2016 में भी मेक्सिको में पोल पोजीशन हासिल की थी और अब यह 22वां ऐसा सर्किट बन गया है जहां उन्होंने एक से अधिक बार पोल पोजीशन हासिल की है। इसके अलावा, 41 वर्षीय हैमिल्टन 1982 के इटैलियन ग्रां प्री में मारियो एंड्रेटी के बाद से इस खेल में पोल पोजीशन हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज ड्राइवर बन गए हैं।

अपने इस रिकॉर्ड पर बात करते हुए हैमिल्टन ने कहा, ‘अगर कुछ करने की इच्छा हो, तो रास्ता मिल ही जाता है। सच कहूं तो यह सब दिमाग का खेल है। मुझे लगता है कि हम सभी को कभी-न-कभी शरीर में दर्द या तकलीफ महसूस हो सकती है, लेकिन किस्मत से मुझे ऐसा नहीं होता। मैं अक्सर ‘आइस बाथ’ (बर्फ के पानी से नहाना) लेता हूं। मैं खुद को युवा और फिट रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करता हूं। मगर मुझे अपना काम बहुत पसंद है और यह लगाव अभी भी कायम है। मैं हर दिन इसी खयाल के साथ उठता हूं। मैं इसके सपने देखता हूं। मुझे दुनिया भर से बहुत शानदार सपोर्ट मिलता है, जो मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुझे उम्मीद है कि आज वह मेरे काम से खुश होंगे, और मुझे यह भी उम्मीद है कि कल भी मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतर सकूंगा।

प्रीमियर लीगः एस्टन विला और फुलहम के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ



विश्व केसरी ■

बर्मिंघम। प्रीमियर लीग के दौरान विला पार्क में एस्टन विला और फुलहम के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। एस्टन विला के लिए निकोलस जैक्सन (39वें मिनट) और फुलहम के लिए जियोन सुजुरी (64वें मिनट) में गोल किया।

जॉन मैकगिन के शुरुआती पेनल्टी मिस करने के बाद, निकोलस जैक्सन के सीजन के आठवें गोल ने उनाई एमरी की टीम को हाफवे स्टेज पर आगे कर दिया था। लेकिन दूसरे हाफ में मेहमान टीम के बेहतर प्रदर्शन ने उन्हें बराबरी पर ला दिया, जब जायन सुजुकी ने एलेक्स इवोबी के कॉर्नर को लाइन के पार जाने दिया।

जैक्सन ने प्रीमियर लीग में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा, जोहान मंजांबी के एक अच्छे मूव को पूरा करके अपनी टीम को विला पार्क में 39वें मिनट में बढ़त दिलाई, जबकि उनाई एमरी की टीम लगातार तीसरी लीग जीत की तलाश में थी। यह तब हुआ जब फुलहम के सैंडर बर्ज को शुरुआत में हैंडबॉल के लिए पेनल्टी मिली, लेकिन विला के कप्तान मैकगिन की स्पॉट-किक टॉप-लेफ्ट कॉर्नर की ओर वुडवर्क से टकरा गई।

फुलहम ने कई मौके बनाए, जिसमें गोंजालो गार्सिया एक्शन के सेंटर में थे, लेकिन दूसरे हाफ में उनका बराबरी का गोल अचानक आया जब सुजुकी ने एलेक्स इवोबी के कॉर्नर को अपने ही गोल में गिरा दिया, जिसका मतलब था कि मैच बराबर हो गया।

इस पॉइंट से मेजबान टीम नौवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि फुलहम 15वें स्थान पर पहुंच गया।

दूसरी तरफ, टोटेनहम हॉटस्पर ने 10 खिलाड़ियों वाले क्रिस्टल पैलेस पर 2-0 की आसान जीत के साथ लगातार तीसरी प्रीमियर लीग जीत हासिल की।

पियरे सेज की टीम को 13 मिनट में एक बड़ा झटका लगा जब जीन-फिलिप माटेता को स्पर्स के डिफेंडर मिकी वैन डे वेन पर फाउल करने के लिए सीधा रेड कार्ड दिखाया गया।

आर्ची ग्रे ने पहले हाफ के बीच में स्कोरिंग शुरू की, जिसके बाद जान पॉल वैन हेके ने हाफ-टाइम के बाद मेजबान टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया और टोटेनहम हॉटस्पर स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन किया।

पैलेस ने संख्या में कम होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वापसी करने में संघर्ष किया क्योंकि रॉबर्टो डी जर्बी की टीम ने आराम से जीत हासिल की। इस नतीजे से डी जर्बी की टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि पैलेस 18वें स्थान पर बना हुआ है।

हार्दिक पंड्या ने बेसबॉल बैट से जीती प्राइज मनी दान की



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंजरी की वजह से क्रिकेट से दूर हैं, लेकिन किसी न किसी वजह से वो चर्चा में बने रहते हैं। हार्दिक अब अपना क्रिकेट बैट बदलकर बेसबॉल बैट से बड़ी इनामी राशी जीतने की वजह से चर्चा में हैं।

हार्दिक को कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के एक वीडियो में दिखाया गया था, जिसमें उन्होंने इंटरनेट सेंसेशन के खिलाफ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया था। पांड्या ने बेसबॉल बैट से करीब लगभग 94.9 लाख रुपये जीते। उन्होंने इसे चैरिटी में दान करने का फैसला किया। मिस्टर बीस्ट अपने वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्र से बड़ी हस्तियों को लाए थे। इसमें क्रिकेट से उन्होंने हार्दिक पंड्या को चुना था। उनकी चुनौती बेसबॉल को पार्क के बाहर मारने का था और विपक्षी ज्यादा होम रन मारना था। हार्दिक ने इस मौके का फायदा उठाया और मिस्टरबिस्ट को हराकर प्राइज मनी ली।

जीती गई राशि को हार्दिक ने गरीब बच्चों की भलाई और जरूरतमंद कुत्तों के लिए काम करने वाली कई संस्थाओं को दान कर दिया।

हार्दिक लंबे समय से क्रिकेट से दूर हैं। वह आखिरी बार टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में टीम इंडिया के लिए खेले थे। उसके बाद से वह आईपीएल में कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए खेले हैं।

इंजरी की वजह से हार्दिक अफगानिस्तान घरेलू सीरीज, आयरलैंड, जिम्बाब्वे, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर रहे हैं। हार्दिक भारत के शीर्ष ऑलराउंडर हैं। टी20 हो या वनडे फॉर्मेट, उनका कोई मुकाबला नहीं है। हार्दिक गेंद और बल्ले से मैच को भारतीय टीम के पक्ष में मोड़ने की क्षमता रखते हैं और कई बार अपने करियर में ऐसा कर चुके हैं।

अंतिम टी20 में भारत को मिली करारी शिकस्त



विश्व केसरी ■

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में भारत को 7 विकेट से हराया। टीम इंडिया से मिले 192 रनों के लक्ष्य को न्यूजीलैंड ने आसानी से 18 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिन एलन महज 2 रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने। इसके बाद टिम सीफर्ट ने डेरिल मिचेल संग मिलकर दूसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन जोड़े। मिचेल 16 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुए। सीफर्ट बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 34 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

सीफर्ट को इस सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले ग्लेन फिलिप्स के रूप में बढ़िया जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 86 रनों की साझेदारी निभाई। सीफर्ट अपने शतक से चूक गए और 50 गेंदों में 93 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 11 चौके और 5 छक्के लगाए।

वहीं, फिलिप्स ने इस सीरीज में अपनी चौथी फिफ्टी लगाई और वह 38 गेंदों में 8 चौके और 3 छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर नाबाद रहे। फिलिप्स ने बेवन जैकब्स (नाबाद 1 रन) के साथ मिलकर न्यूजीलैंड को जीत दिलाई। भारत की ओर से गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी और अर्शदीप सिंह ने एक-एक विकेट चटकाया।

इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 191 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा (1 रन) और संजू सैमसन (4 रन) सस्ते में पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 93 रनों की आतिशी साझेदारी निभाई।

ईशान 32 गेंदों में 5 चौके और पांच छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अय्यर ने 23 गेंदों में 50 रन बनाए। भारतीय कप्तान ने अपनी इस पारी में 3 चौके और 4 छक्के लगाए।

तिलक वर्मा 6 रन ही बना सके, जबकि नमन धीर ने 23 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश कुमार रेड्डी 17 गेंदों में 22 रन बनाकर एडम मिल्ने का शिकार बने। भुवनेश्वर कुमार ने 6 रन बनाए।

न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में एडम मिल्ने ने 4 ओवर के स्पेल में 19 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, नाथन स्मिथ और ब्लेक टिकनर ने दो-दो विकेट झटके। पांचवें टी20 में न्यूजीलैंड को मिली जीत के बावजूद, भारतीय टीम ने टी20 सीरीज को 3-2 से अपने नाम किया।

‘संडे ऑन साइकिल’ कार्यक्रम को ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल सप्ताह के तौर पर मनाया गया



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स, तालकटोरा स्टेडियम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 97वां संस्करण ‘एक सप्ताह, सात काम, एक ग्रह’ थीम के तहत राष्ट्रीय एकता दिवस और ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल सप्ताह के उपलक्ष्य में मनाया गया।

नवंबर की पहली सुबह, जब दिल्ली में तापमान गिर रहा था, तब लगभग 1,000 फिटनेस के शौकीन लोग राष्ट्रीय राजधानी में इकट्ठा हुए। यह इवेंट फिट इंडिया द्वारा आयोजित देश भर में संडे ऑन साइकिल कैंपेन का हिस्सा था, जिसमें पूरे देश में एक साथ लोगों ने हिस्सा लिया। इस इवेंट में फिटनेस, स्पोर्ट्स, योग, एकेडेमिया और साइकिलिंग के फील्ड से कई अतिथि आए थे।

इवेंट में विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित जेलर और जाने-माने बॉडीबिल्डर दीपक शर्मा ने कहा, ‘यहां फिटनेस की ऊर्जा सच में बहुत ज्यादा है। यह देखकर अच्छा लगता है कि युवा इस पहल को इतने जोश से अपना रहे हैं। जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, हमें ऐसे इवेंट्स में सक्रिय रूप से हिस्सा लेना चाहिए और फिटनेस को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का जरूरी हिस्सा बनाना चाहिए।

आखिर कैसे भारत बन रहा है ओलंपिक 2036 की मेजबानी का प्रबल दावेदार?

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत लंबे समय से खेलों की दुनिया में अपनी पहचान मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें उसने काफी हद तक सफलता भी हासिल की है। ऐसे में ओलंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी का दावा पेश करना देश के लिए एक बड़ा मौका है। हालांकि, ओलंपिक में भारत का अब तक का प्रदर्शन और दूसरे देशों की मजबूत दावेदारी इस राह में बड़ी चुनौतियां हैं, लेकिन कई ऐसे कारण हैं जो भारत को मजबूत दावेदार के रूप में पेश करते हैं।



सबसे पहले, बीते कुछ वर्षों में भारतीय खेलों का स्तर लगातार बेहतर हुआ है। सरकार की ओर से खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने पर ध्यान दिया गया है। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और खेलो इंडिया जैसी योजनाओं ने भारतीय एथलीट्स को आगे बढ़ने का दिया है। एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलीट्स की उपलब्धियां इस बदलाव को दिखाती हैं।

दूसरी तरफ, दुनिया में अब खेलों के बड़े आयोजनों की मेजबानी को केवल खेल तक सीमित नहीं देखा जाता। खासकर विकासशील देशों के लिए ऐसे आयोजन अपनी आर्थिक क्षमता, सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक प्रभाव दिखाने का माध्यम बन गए हैं। ओलंपिक जैसे आयोजन से देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का मौका मिलता है।

इन आयोजनों में सार्वजनिक संस्थानों, नागरिक समाज संगठनों, अंतरराष्ट्रीय खेल निकायों और निजी कॉर्पोरेट प्रायोजकों शामिल होते हैं, इसलिए ये मेजबान देश के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च-स्तरीय बातचीत के लिए बेहतरीन अवसर पैदा करते हैं।

भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान विकासशील देशों के हितों को प्रमुखता से उठाया था। इसके अलावा वैक्सीन कूटनीति और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भी भारत ने वैश्विक मंचों पर अपनी भूमिका निभाई है। ऐसे में 2036 ओलंपिक की मेजबानी भारत को ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों की आवाज को और मजबूती से दुनिया के सामने रखने का अवसर दे सकती है।

टोक्यो, सोल और बीजिंग ओलंपिक ने इन देशों की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाई दी थी। भारत भी इसी तरह 2036 के खेलों के जरिए अपनी बढ़ती आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय ताकत का प्रदर्शन करना चाहता है।

हांगकांग सिक्सेसः लगातार तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■

मोंग कोक। हांगकांग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर 5 विकेट से हराया।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने 6 ओवर में 5 विकेट पर 116 रन बनाए थे। कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर 8 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने 6 गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने 4 गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने 5 गेंदों पर 12 रन बनाए।

भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। पंड्या ने 2 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को 1 विकेट मिला।

117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर 7 छक्कों और 1 चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए।

राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 32, नितीश राणा ने 4 गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने 5 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने 5 विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से 4 विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से 6 विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।

वैश्विक डायमंड वैल्यू चेन में भारत-बेल्जियम साझेदारी अहम, व्यापार विस्तार पर जोरः राजेश अग्रवाल



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने रविवार को कहा कि वैश्विक हीरा (डायमंड) मूल्य शृंखला में भारत और बेल्जियम की साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है और दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में दशकों से मजबूत व्यावसायिक संबंध बने हुए हैं। उन्होंने यह बात ब्रुसेल्स स्थित भारतीय दूतावास में हीरा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ हुई एक बैठक के दौरान कही।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अग्रवाल ने कहा कि भारत और बेल्जियम लंबे समय से वैश्विक डायमंड वैल्यू चेन के महत्वपूर्ण साझेदार रहे हैं। भारत जहां हीरों की कटिंग और पॉलिशिंग के क्षेत्र में दुनिया का प्रमुख केंद्र है, वहीं बेल्जियम की पहचान मूल्यवान रत्नों और हीरों के वैश्विक व्यापारिक केंद्र के रूप में है।

बैठक में उद्योग प्रतिनिधियों ने वैश्विक व्यापार रुझानों, प्रमुख बाजारों में मांग की स्थिति, कारोबारी संभावनाओं और भविष्य की चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। चर्चा का मुख्य उद्देश्य उद्योग के साथ संवाद को मजबूत करना और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच व्यापारिक संभावनाओं को बेहतर तरीके से समझना था। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान वैश्विक हीरा व्यापार, उभरते बाजार रुझानों और भारत-बेल्जियम के बीच लंबे समय से चले आ रहे व्यावसायिक संबंधों पर विशेष जोर दिया गया। इससे पहले, वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि राजेश अग्रवाल ने बीते 30 अक्टूबर को उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ वैश्विक डायमंड बाजार की मौजूदा स्थिति, बदलती मांग, उभरते रुझानों तथा व्यापार के सामने मौजूद अवसरों और चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने उद्योग से जुड़े हितधारकों से फीडबैक भी प्राप्त किया।

इस बीच, हाल ही में भारत, बेल्जियम और लक्जमबर्ग ने भी आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। भारत-बेल्जियम-लक्जमबर्ग आर्थिक संघ (बीएलईयू) संयुक्त आर्थिक आयोग के 19वें सत्र में एयरोस्पेस, अनुसंधान, नवाचार और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई थी।

बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों की समीक्षा की और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देने के लिए लॉजिस्टिक्स, हवाई संपर्क, बंदरगाह विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, फिनटेक, डिजिटल परिवर्तन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवाएं, आयुर्वेद तथा कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

बाल झड़ने से लेकर कमजोर हड्डियों तक, हर समस्या का हल है पृथ्वी मुद्रा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारे शरीर का निर्माण पंचमहाभूतों- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से हुआ है। जब इन तत्वों में असंतुलन आ जाता है, तो शरीर में कई तरह की बीमारियां और कमजोरियां आने लगती हैं। योग में मुद्राओं को इन तत्वों को संतुलित करना का सबसे सरल और प्रभावी तरीका माना गया है। इन्हीं मुद्राओं में से एक है, पृथ्वी मुद्रा।

पृथ्वी मुद्रा शरीर में पृथ्वी तत्व को संतुलित करने और स्थिरता प्रदान करने वाली एक प्रमुख हस्त मुद्रा है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, 'पृथ्वी मुद्रा' शरीर में पृथ्वी तत्व को संतुलित करने और आध्यात्मिक व शारीरिक आरोग्यता को बढ़ावा देने वाली एक बेहद प्रभावशाली हस्त मुद्रा है। आयुर्वेद के अनुसार, हमारा शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है, जिसमें अनामिका उंगली पृथ्वी तत्व को और अंगूठा अग्नि तत्व को दर्शाता है। दरअसल, जब हम अनामिका उंगली के अग्रभाग से मिलाते हैं, तो पृथ्वी तत्व सक्रिय हो जाता है। यह तत्व मूलाधार चक्र की ऊर्जा को जगाता है, जो रीढ़ की हड्डी के सबसे निचले हिस्से में स्थित होता है।

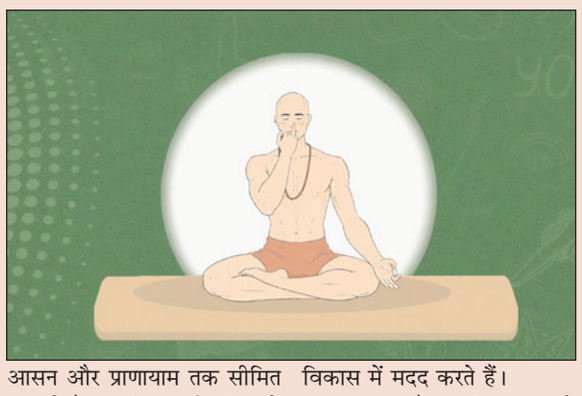
मूलाधार चक्र असंतुलित होने पर मन में डर, बेचैनी और अस्थिरता बनी रहती है। पृथ्वी मुद्रा से इस चक्र में स्थिरता आती है। पृथ्वी का गुण ही स्थिरता और धैर्य है, इसलिए यह मुद्रा मन की भाग-दौड़ को कम करके उसे वर्तमान में टिकने में मदद करती है और मन शांत होने लगता है।

हमारी त्वचा शरीर के सबसे बाहरी ठोस आवरण हैं। जब पृथ्वी संतुलित होता है, तो त्वचा के टिश्यूज को सही पोषण मिलता है। यह मुद्रा शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने और रक्त संचार को बेहतर करने में मदद करती है, जिससे त्वचा में प्राकृतिक चमक आती है, रूखापन दूर होता है और त्वचा स्वस्थ दिखती है। साथ ही, यह कमजोर पाचन वाले और दुबलेपन से परेशान लोगों के शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाकर वजन को स्वस्थ रूप से संतुलित करने में सहायक माना गया है।

जिन लोगों के शरीर में कफ दोष की अधिकता है या जिन्हें सर्दी-खांसी/अस्थमा की गंभीर समस्या है, उन्हें इसका निरंतर अभ्यास करने से पहले योग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

जागरूकता के साथ योगाभ्यास : सिर्फ शारीरिक मुद्रा और सांस तकनीक तक सीमित नहीं है योग

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ रखने के लिए लोग योग का सहारा ले रहे हैं। सुबह उठकर योग मैट बिछाना, अलग-अलग आसन करना और प्राणायाम के जरिए सांसों को नियंत्रित करना कई लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि योग का मतलब सिर्फ शरीर को लचीला बनाना या कुछ शारीरिक मुद्राएं करना नहीं है? योग इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने के साथ-साथ बेहतर जीवन जीने का तरीका भी सिखाता है।

अक्सर लोग योग को केवल आसन और प्राणायाम तक सीमित समझते हैं, जबकि इसकी परंपरा में कई दूसरे महत्वपूर्ण अभ्यास भी शामिल हैं। योग के आठ अंगों में यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि आते हैं। ये सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और व्यक्ति के संपूर्ण विकास में मदद करते हैं।

यम और नियम हमें अनुशासन, संयम, ईमानदारी और अच्छी आदतों के साथ जीवन जीना सिखाते हैं। आसन शरीर को सक्रिय और लचीला बनाए रखने में मदद करते हैं, जबकि प्राणायाम सांसों पर नियंत्रण और मानसिक शांति का अभ्यास है। वहीं, प्रत्याहार का मतलब अपनी इंद्रियों को बाहरी आकर्षण से हटाकर भीतर की ओर केंद्रित करना है।

योग में धारणा और ध्यान का भी खास महत्व है। धारणा के जरिए मन को किसी एक चीज या विचार पर केंद्रित करने का अभ्यास किया जाता है। इसके बाद ध्यान व्यक्ति को मानसिक शांति और आत्मचिंतन की ओर ले जाता है। योग का अंतिम अंग समाधि है, जिसे आत्मिक एकाग्रता और चेतना की उच्च अवस्था माना जाता है।

योग की दुनिया यहीं खत्म नहीं होती। इसमें षट्कर्म, मुद्रा, बंध और मंत्र-जप जैसे अभ्यास भी शामिल हैं। षट्कर्म शरीर की शुद्धि से जुड़ी पारंपरिक क्रियाएं हैं।

गलत तरीके से किया गया योग पहुंचा सकता है नुकसान, एक्सपर्ट की मानें तो बरतें ये सावधानियां

विश्व केसरी ■

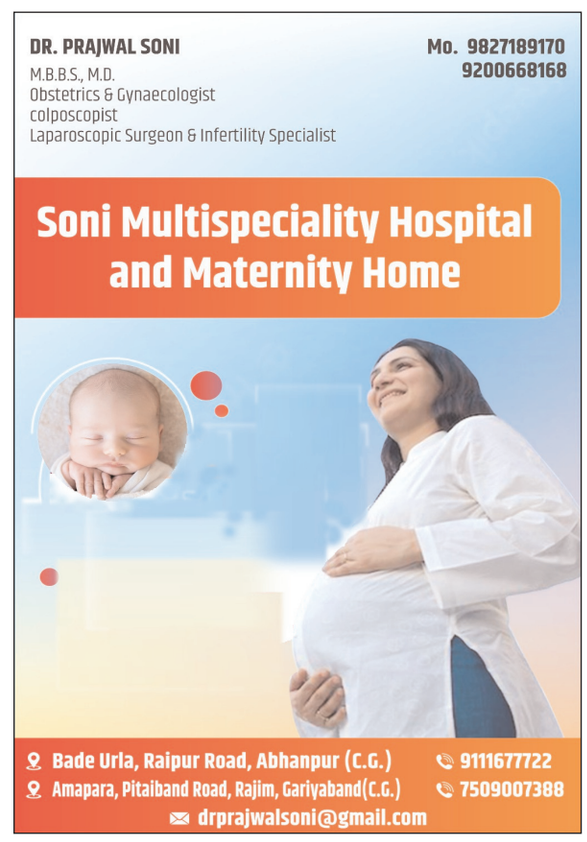
नई दिल्ली। योग एक प्राचीन परंपरा है, जो शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ-साथ मन को भी शांत और संतुलित बनाता है। हालांकि इसका भरपूर लाभ तभी मिलता है, जब अभ्यासकर्ता इसे सही तरीके और सावधानियों के साथ करे। गलत तरीके या बिना जानकारी के किया गया योग फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचा सकता है।

इसलिए योग शुरू करने से पहले कुछ जरूरी सावधानियों को जानना और उनका पालन करना बहुत जरूरी है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन करने से पहले सावधानियां बरतने की सलाह दी है। उनके अनुसार, योग सीखना सिर्फ किसी को देखकर या निर्देशों का पालन करने से कहीं ज्यादा है। शुरुआती लोगों को पहले किसी योग एक्सपर्ट या थेरेपिस्ट की देखरेख में योग की तकनीकें सीखनी चाहिए और खुद से प्रैक्टिस शुरू करने से पहले सही तरीका समझना चाहिए।



















तीस साल बाद फिर गुलजार हुआ इंद्रावती टाइगर रिजर्व, जंगल सफारी का आगाज

वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर के पर्यटन उद्योग को दिलाई नई पहचान

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में बस्तर संभाग का पर्यटन उद्योग लगातार नए आयाम रच रहा है। नक्सलवाद के खात्मे के बाद जहां बस्तर में विकास की रफ्तार तेज हुई है, वहीं यहां के जंगल भी फिर से आबाद होने लगे हैं। जंगलों में बाघ, तेंदुओं, चीतों, भालुओं और अन्य प्रजाति के जानवरों तथा खूबसूरत पक्षियों की आबादी काफी बढ़ गई है। यहां की वादियों में देशी-विदेशी पर्यटकों की आमद रफ्त काफी बढ़ गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस पर आज से बस्तर के बीजापुर जिले में स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व के द्वार पर्यटकों के लिए फिर खोल दिए गए हैं।



अति नक्सल प्रभावित रहे बीजापुर जिले में शांति, विकास और पर्यटन की नई संभावनाओं के बीच इंद्रावती टाइगर रिजर्व में लगभग तीस साल बाद जंगल सफारी की शुरुआत हो गई है। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में 1 नवंबर 2026 से पर्यटक जंगल सफारी के माध्यम से वन्यजीवों एवं प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव कर सकेंगे। यह पहल जिले में पर्यटन विकास, वन्यजीव संरक्षण एवं स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। बीते 31 मार्च को नक्सलवाद के खात्मे के बाद बीजापुर जिले में शांति एवं विकास के द्वार खुल गए हैं। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी की शुरुआत होने से जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी। वहीं स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे। इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का चौथा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। वर्ष 1981 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया तथा वर्ष 1982-83 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत शामिल किया गया। रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 2,799.07 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 1,258.37 वर्ग किलोमीटर कोर एवं 1,540.70 वर्ग किलोमीटर बफर क्षेत्र शामिल है। यहां बाघ, तेंदुआ, जंगली भैंसा, गौर, चीतल, ऊदबिलाव सहित भारतीय गिद्ध एवं सफेद पीठ वाले गिद्ध जैसे दुर्लभ वन्यजीव एवं पक्षी पाए जाते हैं।

सफारी के लिए 4 जिप्सी वाहन

प्रथम चरण में उल्लूर गांव से उंडलापर्ती तक लगभग 9 किलोमीटर का मार्ग जंगल सफारी के लिए निर्धारित किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 4 जिप्सी वाहन उपलब्ध कराए गए हैं तथा सफारी का शुल्क 2 हजार रुपये तय किया गया है। भविष्य में पर्यटकों की संख्या एवं पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के अनुरूप वाहनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। जंगल सफारी के दौरान प्रशिक्षित स्थानीय गाइड पर्यटकों को वन्यजीवों, जैव विविधता एवं प्राकृतिक विशेषताओं की जानकारी देंगे। इसके लिए 6 स्थानीय युवाओं को गाइड एवं सफारी वाहन चालक के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। सफारी गेट के समीप पारंपरिक मिट्टी के घरों की थीम पर जलपान गृह की व्यवस्था भी की गई है, जहां पर्यटक ग्रामीण परिवेश में स्थानीय व्यंजनों एवं जलपान का आनंद ले सकेंगे।

बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी की शुरुआत होने से स्थानीय युवाओं एवं ग्रामीणों के लिए गाइड, वाहन चालक, होम स्टे, खान-पान एवं पर्यटन से जुड़ी अन्य गतिविधियों में रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, जनजातीय कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। भविष्य में इंद्रावती टाइगर रिजर्व के अन्य क्षेत्रों में भी जंगल सफारी शुरू करने की योजना है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी की शुरुआत बीजापुर जिले के बदलते परिवेश और विकास की नई दिशा को प्रदर्शित करती है। इससे जहां पर्यटकों को बस्तर की समृद्ध प्राकृतिक विरासत को करीब से देखने का अवसर मिलेगा, वहीं स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति प्राप्त होगी।

मैलबेड़ा संकुल में सर्वेक्षण, डाइट दल ने परखी शिक्षा की गुणवत्ता



विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित असर कार्यक्रम 2026 के तहत 31 अक्टूबर को बकावंड विकासखंड के संकुल केंद्र मैलबेड़ा की शासकीय माध्यमिक शाला चौंकनार एवं शासकीय माध्यमिक शाला मोखागांव में असर सर्वेक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) बस्तर से गठित निरीक्षण दल संस्थाओं में पहुंचा। दल द्वारा शाला की शैक्षिक गुणवत्ता, भौतिक संसाधनों, प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। साथ ही अध्ययनरत बच्चों के घरों में जाकर पालकों से संपर्क किया गया और बच्चों के शैक्षिक स्तर का सर्वेक्षण किया गया। इस अवसर पर संकुल समन्वयक नरेश कुमार पांडे सहित संबंधित संस्थाओं के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। संकुल समन्वयक पांडे ने बताया कि असर सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों से शिक्षा की जमीनी हकीकत का पता चलता है, जिसके आधार पर शासन द्वारा सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार की जाती है।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए दिल्ली पहुंचे कांकेर के युवा, रामलीला मैदान की सभा में हुए शामिल

विश्व केसरी■

दुर्गूकोदल (सीताराम शर्मा)। लोकतंत्र, मताधिकार और संविधान की रक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित सभा में भागीदारी निभाने के लिए कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर एवं दुर्गूकोदल क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच कर। रविवार को ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित सभा में शामिल होकर क्षेत्र के प्रतिनिधि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त किए।



इस आयोजन में शामिल होने पहुंचे प्रतिनिधियों ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती, नागरिकों के वोट देने के अधिकार और संविधान की रक्षा के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कांकेर जिले की युवा शक्ति अपनी आवाज और उपस्थिति के माध्यम से इन महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए तैयार है। दिल्ली में आयोजित सभा एवं रैली में भानुप्रतापपुर जनपद पंचायत के अध्यक्ष सुनाराम तेता, दुर्गूकोदल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धनेश नरेटी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के मंडल अध्यक्ष सियाराम पोटाई, रसालू गावड़े, रघुनाथ यादव, नंदकुमार नेताम, पूरन बघेल, कृष्ण उयके सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए।

वनांचल के बिहड़ गांव कवाचीकटेल में तीसरे साल भी गूंज रही रामकथा

विश्व केसरी■

दुर्गूकोदल (सीताराम शर्मा)। विकासखंड दुर्गूकोंदल के सुदूर वनांचल स्थित बिहड़ ग्राम कवाचीकटेल में धार्मिक आस्था और लोकसंस्कृति की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। गांव में लगातार तीसरे वर्ष आयोजित दो दिवसीय रामलीला का शुभारंभ भक्तिमय माहौल में हुआ।



जय मां सोनादाई दंतेश्वरी बाल लीला मंडली ग्राम सोनादई के बाल कलाकारों ने पहले दिन भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का शानदार मंचन किया। जिसका संचालन नंदकुमार देहारी, विकास राजू नायक, आहेंद्र देहारी, मन्नू दीवान कर रहें है और रामलीला मंचन के साथ साथ आकर्षक वेशभूषा, जीवंत संवाद और शिव बारात की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। शिव बारात में भगवान शिव के गणों की अनोखी वेशभूषा और विवाह की रस्मों के मंचन ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर तक मंच से नजरें नहीं हटा सके। बाल कलाकारों की प्रतिभा और अभिनय को दर्शकों ने तालियों के साथ सराहा। सुदूर वनांचल के इस गांव में रामलीला को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह दिखाई दिया। आसपास के गांवों से भी लोग मंचन देखने पहुंचे। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीण रामप्रसाद कोवाची, राजकुमार नेताम, सानू नेताम नें भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, मर्यादा, भाईचारे और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। पिता के वचन का सम्मान करते हुए राजमहल का सुख त्यागकर वनवास स्वीकार करना हो या अधर्म के विरुद्ध संघर्ष, श्रीराम का प्रत्येक प्रसंग समाज को धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने की सीख देता है।

नगरीय निकाय प्रकोष्ठ कांकेर के सह प्रभारी बनाए जाने पर संदीप मेश्राम ने जताया आभार

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संदीप मेश्राम को नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, जिला कांकेर का सह प्रभारी बनाए जाने पर उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, जिला संगठन एवं मंडल चारामा के समस्त वरिष्ठजनों के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।



संदीप मेश्राम ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताते हुए जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ संगठन के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे इस दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक निष्ठावान एवं समर्पित कार्यकर्ता के रूप में संगठन की रीति-नीति और सिद्धांतों का पालन करते हुए नगरीय निकायों में संगठन को मजबूत बनाने तथा जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

सांसद रूपकुमारी चौधरी बूढ़ा देव महोत्सव में विशेष अतिथि के लिए आमंत्रित

विश्व केसरी■

दुर्गूकोदल (सीताराम शर्मा)। मूल छत्तीसगढ़िया सर्व गाड़ा समाज के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही आगामी बूढ़ा देव महोत्सव 2026 में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया।



समाज की ओर से आयोजित होने वाला बूढ़ा देव महोत्सव आगामी 16 एवं 17 नवंबर को बस्तर संभाग के कोंडागांव जिले के केशकाल स्थित देवभूमि टाटामारी में आयोजित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद चौधरी को महोत्सव के उद्देश्य, आयोजन की रूपरेखा एवं विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्हें समारोह में शामिल होने का आग्रह किया।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, सामाजिक एकता और पहचान से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही मूल छत्तीसगढ़िया सर्व गाड़ा समाज के आदिवासीकरण की मांग से भी सांसद को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बूढ़ा देव महोत्सव समाज की सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक विरासत और सामाजिक एकजुटता को सशक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

सांसद रूपकुमारी चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल के आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए बूढ़ा देव महोत्सव में शामिल होने की सहमति प्रदान की। उनके आमंत्रण स्वीकार करने पर समाज के प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश संयोजक सुंदर दास कुलदीप, प्रदेश संगठन प्रभारी खेमराज बघेल, प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद चौहान, प्रदेश महासचिव परसराम सोनवानी, महासमुंद जिला अध्यक्ष विश्राम चौहान, समाजसेवी रामेश्वर चौहान, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष मानबाई चौहान एवं संभागीय सचिव उमेश्वरी चौहान उपस्थित रहे।

बीजापुर में भव्य राज्योत्सव का समारोह आज से

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर को बीजापुर जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में भव्य राज्योत्सव समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह को गरिमामय एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मंत्री गुरु खुशवंत साहेब शामिल होंगे। राज्योत्सव को लेकर आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं तथा सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित यह समारोह प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और विकास यात्रा को समर्पित होगा। जिला प्रशासन बीजापुर ने जिलेवासियों से समारोह में सादर उपस्थित होकर राज्योत्सव की गरिमा बढ़ाने एवं उत्सव में सहभागी बनने की अपील की है।

दंतेवाड़ा विधायक लोगों के समर्थन में एनएमडीसी के अधिकारियों पर जमकर बरसे

विश्व केसरी■

दंतेवाड़ा। जिले के बचेली में एनएमडीसी द्वारा रास्तों पर गेट निर्माण को लेकर चल रहे विवाद के बीच रविवार को दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के समर्थन में अधिकारियों पर जमकर बरसे।



विधायक ने अधिकारियों से कहा कि फोर्स लगाकर स्थानीय लोगों को धमकाने की कोशिश न करें। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या फोर्स का इस्तेमाल अधिकारियों के गलत फैसलों को लागू करवाने के लिए किया जा रहा है? उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए इस तरह का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मीडिया को बयान देने वाले एनएमडीसी के अधिकारी विनय रेडी ने बताया कि सभी अधिकारी मीटिंग में व्यस्त हैं। फिलहाल प्रबंधन की ओर से इस मामले में पक्ष देने से मना कर दिया गया है।

विधायक चैतराम अटामी ने अधिकारियों को दो टूक कहा कि आज ही यहां से गेट हटाया जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो गेट हटाने के लिए पूरी जनता सड़क पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में अधिकारियों को सभी पक्षों को विश्वास में लेना होगा। बैठक बुलाकर स्थानीय लोगों की सहमति ली जाए और जनहित से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद ही आगे का काम शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि गेट लगने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को आने-जाने में परेशानी होगी। किसी को अस्पताल जाना हो या दूसरे जरूरी काम से निकलना हो तो उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। विधायक ने सवाल किया कि अगर गेट लगाने के बाद अधिकारियों की मर्जी से कभी भी रास्ता बंद कर दिया जाएगा, तो ऐसे निर्माण का क्या औचित्य है?

नगर पालिका बचेली के अध्यक्ष राजू जायसवाल ने कहा कि एनएमडीसी की ओर से गेट लगाकर स्कूल, हॉस्पिटल और गार्डन को अपने नियंत्रण में लिया जा रहा है। इससे आम जनता की आवाजाही बाधित होगी, हम ऐसा नहीं होने देंगे।

फार्म हाउस का ताला तोड़कर लाखों की लाख चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। फार्म हाउस का ताला तोड़कर कुसमी लाख चोरी करने के मामले में चारामा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 98 किलोग्राम धुली हुई कुसमी लाख, जिसकी कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है, सहित कुल 2 लाख 30 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है। पुलिस के अनुसार, चोरी गई लाख की शत-प्रतिशत बरामदगी कर ली गई है।



पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी बुद्धदेव नायक, निवासी बारगरी, थाना चारामा, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 30 अक्टूबर 2026 को वह चावड़ी स्थित अपने फार्म हाउस पहुंचा। वहां कमरे का ताला टूटा हुआ था। कमरे के अंदर रखी करीब एक क्विंटल धुली हुई कुसमी लाख, जिसकी कीमत लगभग दो लाख रुपये थी, गायब मिली। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लाख चोरी किए जाने की शिकायत पर थाना चारामा में अपराध क्रमांक 228/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(5), 305(ए), 324(4) एवं 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आरएन.आई.नं. CTHIN/26/A6251